

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 27 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 08 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सार-संक्षेप



दीपावली पर पूर्वती के ग्रामीणों के साथ पुलिस ने मनाया दीपोत्सव

सुकमा। नक्सलवाद के साये से निकलकर शांति, विश्वास और विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहे बस्तर में इस बार दीपावली का उत्सव एक नई उम्मीद और ऐतिहासिक बदलाव का संदेश लेकर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बस्तर प्रवास और नक्सलमुक्त बस्तर के संकल्प के बीच इस बार की दीपावली खास रही। कभी नक्सलवाद के खौफऔर बंदिशों के लिए पहचाने जाने वाले सुकमा जिले के पूर्वती गांव में इस बार दीपों की रोशनी के साथ खुशियों की आतिशबाजी भी देखने को मिली। सुकमा पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मिलकर दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया और गांव में उत्सव का माहौल बनाया।

कोबरा बटालियन को बड़ी सफलता, 900 विस्फोटक बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। जवानों ने माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए विस्फोटकों और उनसे जुड़ी सामग्री को बरामद किया है। नक्सलियों ने 900 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक एवं नॉन-इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर बरामद किया है। इस ऑपरेशन की जानकारी बीजापुर पुलिस ने दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह बरामदगी शुक्रवार को सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान हुई। उन्होंने बताया कि यह अभियान उसूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुजारीकांकेर गांव के पास पहाड़ी और जंगली इलाके में चलाया गया था, इसके लिए खुफिया जानकारी सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन के खुफिया शाखा से मिली थी।

इंडिगो फ्लाइट को हाईजैक की धमकी:टॉयलेट में नोट मिला

बेंगलुरु। बेंगलुरु से लखनऊ जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई-451 को शनिवार को हाईजैक की धमकी मिली। क्रू मेंबर्स ने फ्लाइट के टॉयलेट में धमकी वाला नोट देखा। जिसके बाद पायलट विमान को वापस बेंगलुरु ले आया। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर फुल इमरजेंसी घोषित की गई। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उतरने के बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को अपने नियंत्रण में ले लिया। विमान को अलग खड़ा किया गया। विमान में मिले धमकी भरे नोट को किसने लिखा और यह वहां कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बस्तर में सुरक्षाबलों के साथ मनाई दिवाली, बोले- ऐतिहासिक है इस बार की दीपावली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्तर के करनपुर में कोबरा ऑपरेशन्स बेस का किया दौरा, देश वासियों को दीं दीपावली की शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के लिए दीपावली का दिन खास रहा। दीपावली के पावन पर्व पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ दिवाली मनाई। कभी नक्सलवाद का गढ़ रहे इस इलाके में जवानों के बीच पहुंचकर पीएम मोदी ने उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि 2026 की दिवाली देश के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि दशकों पुरानी नक्सलवाद और माओवादी आतंक के खिलाफलड़ाई में देश ने जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहली दिवाली है, जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय सुरक्षाबलों के लाखों बहादुर जवानों और महिला कर्मियों के त्याग, समर्पण और साहस को दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्तर के करनपुर में CoBRA ऑपरेशन्स बेस का दौरा किया। यह बेस बस्तर और अबूझमाड़ के जंगलों में एंटी-नक्सल ऑपरेशन्स के लिए ट्रेनिंग सेंटर और लॉन्च पैड के रूप में काम करता रहा है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि वह दिवाली मनाने के लिए जवानों के बीच आए हैं। उन्होंने कहा, जो लोग बॉर्डर पर और देश के अंदर देश की रक्षा करते हैं, देश के रखवाले और भारत माता के वीर बेटे-बेटियां, आप सभी मेरे परिवार के सदस्य हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2026 की दिवाली वास्तव में खास है। 40-50 साल बाद देश ऐसी दिवाली मना रहा है। उन्होंने कहा, यह पहली दिवाली है, जब देश ने



नक्सलवाद और माओवादी आतंक के खिलाफ दशकों पुरानी लड़ाई जीती है। यह पहली दिवाली है, जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने आगे कहा कि करोड़ों देशवासियों ने नक्सलवाद के डर से मुक्ति पाई है। यह बहुत बड़ी कामयाबी है और इसका बड़ा श्रेय सुरक्षाबलों के लाखों बहादुर पुरुषों और महिलाओं को जाता है। इसी वजह से वह जवानों के साथ दिवाली मनाने यहां पहुंचे हैं।

बस्तर में अब जाकर शुरू हुई विकास की नई लहर

पीएम मोदी ने कहा कि बस्तर की धरती पर कभी नक्सलवाद का खतरा था, लेकिन सुरक्षाबलों के त्याग और समर्पण के कारण अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का खतरा खत्म हुआ है और विकास की नई लहर शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि देश के अंदरूनी हिस्सों में सुरक्षा मजबूत होने से देश की बाहरी सुरक्षा भी मजबूत होती है। जब आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है, तो बाहरी दुश्मन भी सिर उठाने लगते हैं।

देश की एकता और अखंडता के लिए जवानों ने कुर्बानियां दीं

प्रधानमंत्री ने जवानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह देश की सेनाएं सीमा पर सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाती हैं, उसी तरह सुरक्षाकर्मी देश के भीतर सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा, आपने देश की एकता और अखंडता के लिए अनगिनत कुर्बानियां दी हैं। आपने बहुत बड़ी निजी कुर्बानियां दी हैं। करोड़ों देशवासियों को आप पर गर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि वह 140 करोड़ देशवासियों की ओर से जवानों के त्याग, समर्पण और सेवा भावना के लिए आभार जताने आए हैं। उन्होंने देशभर में अलग-अलग स्थानों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं।

पीएम मोदी बोले- नक्सलियों से ज्यादा हमारे बहादुर जवान शहीद हुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्तर में जवानों के साथ दिवाली मनाने के दौरान नक्सलवाद के खिलाफलड़ाई का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2004 से 2013 के बीच के आंकड़े देखें तो हर साल नक्सलियों के मुकाबले देश के ज्यादा बहादुर जवान शहीद हुए। दुर्भाग्य से उस समय की सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है। पीएम ने कहा कि माओवादी आतंक और नक्सलवाद के खिलाफलड़ाई आसान नहीं थी। नक्सलियों ने लोगों से वोट डालने का अधिकार तक छीन लिया था। एक साल में नक्सली हमलों की संख्या 2,000 तक पहुंच गई थी। उन्होंने 2010 में दंतेवाड़ा में हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि उस घटना में सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हुए थे। इसी साल दंतेवाड़ा में एक अन्य घटना में 44 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

2014 के बाद देश की राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हुई

पीएम मोदी ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत संकल्प और सुनियोजित रणनीति के साथ देश के दुश्मनों का सामना करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए जिस राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी, उसे 2014 में मजबूत किया गया। उन्होंने कहा, 'आपने इस प्रधानसेवक को मां भारती की सेवा करने का अवसर दिया और हमने देखा कि 2014 के बाद हालात कैसे बदलने लगे।

पिछले एक साल में सीआरपीएफ का एक भी जवान शहीद नहीं हुआ

प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक ऐसी स्थिति रही, जब नक्सलियों से ज्यादा हमारे जवान मारे जा रहे थे। लेकिन 47 साल में पहली बार एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के एक भी जवान की जान नहीं गई। यह देश की सही नीतियों, मजबूत संकल्प और सुरक्षाबलों के शौर्य, साहस और संयम की जीत है। पीएम मोदी ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि वे सभी उनके परिवार का हिस्सा हैं। इस बार वह बस्तर के जंगलों में उनके साथ दिवाली मनाने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह वही इलाका है, जहां कभी नक्सलवाद का आतंक था। सुरक्षाबलों के बलिदान और समर्पण की वजह से अब इस इलाके से नक्सलवाद खत्म हो गया है और यहां विकास की नई लहर शुरू हुई है।

सीएम साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रकाश और उल्लास के महापर्व दीपावली पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने माँ लक्ष्मी और भगवान श्री गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि आशा, विश्वास, प्रेम और सद्भाव का उत्सव है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने तथा आपसी भाईचारे और एकता के साथ जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री साय ने कामना की कि दीपावली का पर्व छत्तीसगढ़ के हर घर में सुख, शांति और समृद्धि लाए तथा हमारा प्रदेश विकास, के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे।

जापान में रात 1 बजे 5.7 तीव्रता का भूकंप 22 घायल; इस महीने तीसरा बड़ा भूकंप

टोक्यो ए.। जापान में शनिवार की रात 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें कम से कम 22 लोग घायल हो गए। कई दुकानों के शीशे टूट गए। भूकंप के तेज झटकों से लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर भागने लगे।

जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप का केंद्र शिजुओका प्रांत में जमीन के 40 किमी नीचे था, जबकि सबसे तेज झटके आइची प्रांत में महसूस किए गए। यह महीने जापान में आया तीसरा तेज भूकंप है। इससे 1 नवंबर को 6 तीव्रता और 7 नवंबर को 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने लोगों को अगले एक हफ्ते तक भूकंप को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। एजेंसी के मुताबिक, खासकर अगले 2 से 3 दिनों में तेज झटके आ सकते हैं।

भूकंप के बाद प्रभावित इलाकों में शिंकानसेन बुलेट ट्रेनों की रफ्तार कम कर दी गई। रेलवे ने एहतियात के तौर पर यह कदम



उठाया। दरअसल, भूकंप से पटरियों को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में तेज रफ्तार से चलने वाली ट्रेनों के लिए हादसे का खतरा रहता है।

जापान सबसे ज्यादा भूकंप वाले देशों में शामिल

जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं।

छत्तीसगढ़ में अगले 3 दिन में 3 डिग्री तक गिरेगा तापमानः सभी जिलों में बढ़ी ठंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब रात के तापमान में गिरावट होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3 दिनों में प्रदेश के न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक गिरावट हो सकती है। इससे रात और सुबह के समय ठंड बढ़ेगी। हालांकि, इसके बाद तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को रायपुर और माना में सबसे ज्यादा 31.7 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। वहीं, अंबिकापुर में रात का तापमान सबसे कम 12.1 डिग्री रहा।

रायपुर में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने 8 नवंबर को शहर में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों में भी न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक गिरावट होने की संभावना है।





संपादकीय

सीवर में खतरा

भारत में सीवर सफाई से होती मौतें

भारत को वो स्थितियां खत्म करनी होंगी जिनके चलते सीवर सफाई में मौतें होती हैं कानूनों, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों, सरकारी कार्यक्रमों, मशीनी सफाई तकनीकों की उपलब्धता और राजनेताओं की नसीहतों के बावजूद, भारत में अब भी सफाई कर्मी जान गंवा रहे हैं, वह भी ऐसे हालात में जिनका पहले से अंदाजा होता है और जिन्हें काफी हद तक रोका जा सकता है। एक हालिया घटना में, मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक होटल के 'फूड-वेस्ट चैंबर' की सफाई करते समय चार कामगारों ने अपनी जिंदगी खो दी। संसद और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, सीवर और सेप्टिक टैंक से जुड़े कामों के दौरान मरने वाले कामगारों की संख्या साल 2014 से 2025 के बीच 859, साल 2019 से मध्य-2026 तक 498, साल 2021 से 2026 के दौरान 18 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में 332, और साल 1993 से 2025 के बीच 1,350 थी।

> संसद और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, सीवर और सेप्टिक टैंक से जुड़े कामों के दौरान मरने वाले कामगारों की संख्या साल 2014 से 2025 के बीच 859, साल 2019 से मध्य-2026 तक 498, साल 2021 से 2026 के दौरान 18 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में 332, और साल 1993 से 2025 के बीच 1,350 थी। ये आंकड़े कभी शून्य की तरफबढ़ते नहीं दिखे हैं, जबकि सफाई कर्मचारी आंदोलन ने मामलों की बहुत कम रिपोर्टिंग का आरोप बार-बार लगाया है।

ये आंकड़े कभी शून्य की तरफ बढ़ते नहीं दिखे हैं, जबकि सफाई कर्मचारी आंदोलन ने मामलों की बहुत कम रिपोर्टिंग का आरोप बार-बार लगाया है। इतना ही नहीं, सरकार कम से कम साल 2021 से यह दावा करती आ रही है कि अस्वच्छ शौचालयों से इन्सानी मल-मूत्र की हाथों से सफाई का चलन खत्म किया जा चुका है। इससे एक तरह से यह संकेत जाता है कि सरकार मानती है कि उसने समस्या की जड़ का निवारण कर दिया है, जबकि वह ऐसा कर नहीं पायी है। और, इसने प्रशासनिक निकायों को नगरपालिकाओं और निजी प्रतिष्ठानों का मुआयना करने की जरूरत से मुक्ति दे दी है। ऐतिहासिक रूप से हाशिए की जातियों के सदस्य इन नौकरियों में अपनी आबादी के अनुपात से कहीं ज्यादा तादाद में हैं। साल 2013 से, कानून ने सीवर और सेप्टिक टैंक की खतरनाक सफाई को हाथ से मैला उठाने से अलग माना है। फिर भी, उनमें प्रवेश करने वाले लोगों के जहरीली गैसों की चपेट में आने जोखिम अब भी कायम है। डॉ. बलराम सिंह मामले (2023) में, सुप्रीम कोर्ट ने सफाई कर्मचारी आंदोलन मामले (2014) के तहत तय जरूरतों को और सख्त बनाया। इसमें अन्य उपायों के साथ-साथ यह सुनिश्चित किया जाना था कि सीवर-सफाई के आउटसोर्स किये गये ठेकों में कामगारों का सीवर में उतरना शामिल न हो। साथ ही, मौत होने की स्थिति में मुआवजा राशि बढ़ाकर प्रति कामगार 30 लाख रुपये कर दी गयी। साल 2025 में, चार महानगरों के अलावा बेंगलुरु और हैदराबाद में हाथ से सीवर सफाई समाप्त करने का आदेश दिया गया। इसके एक साल बाद, सन 2023 के आदेश - जिसमें मुआवजे पर आदेश भी शामिल था - का पालन नहीं करने पर 15 मुख्य सचिवों को नोटिस जारी किया गया।

निजी ठेकेदार और नगर निकाय 'हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013' तथा संबंधित नियमावली में निर्दिष्ट हाथ से सफाई पर पाबंदियों का उल्लंघन करने के लिए जाने जाते हैं। और, वे बिना दस्तावेजों के दिहाड़ी कामगारों को काम पर रखकर किसी भी जिम्मेदारी से बच जाते हैं। ऐसे कामगारों की मौत की समस्या तब तक खत्म नहीं की जा सकती, जब तक कि उनके रोजगार को औपचारिक रूप न दिया जाए और जाति की सीमाओं से परे जाकर सामाजिक सुरक्षा बेहतर न की जाए। 'नेशनल ऐक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम' योजना के तहत भी लक्ष्यों और नतीजों के बीच एक बड़ा फासला बना हुआ है। हालांकि यह शहरी स्थानीय निकायों पर केंद्रित है, लेकिन इसकी मुश्किलें राज्य की एक बुनियादी गलती को बयां करती हैं : कामगारों की मौत का कारण बनने वाली स्थितियों को न्यूनतम करने के बजाय, किट बांटने जैसी प्रशासनिक मदद को अधिकतम करने पर फोकस।

प्रदूषण के बारूद पर नहीं, पर्यावरण के उजास पर सजे दीपोत्सव

योगेश कुमार गोयल



मनुष्य ही नहीं, पशु-पक्षी और पालतू जानवर भी इस शोर और प्रदूषण से अत्यधिक प्रभावित होते हैं। शोध बताते हैं कि पटाखों की तीव्र ध्वनि कुत्तों सहित अन्य जीवों की सुनने की क्षमता को स्थायी रूप से क्षति पहुंचा सकती है। वायु प्रदूषण का एक और गंभीर प्रभाव पुरुषों के प्रजनन स्वास्थ्य पर देखा गया है।

दीवाली, उजालों का त्योहार, खुशियों का स्वागत! लेकिन जब यही जश्न हमारी सांसों को घुटन से भर दे और हमारे वातावरण को जहर बना दे, तब कहीं न कहीं हमारी संवेदनशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सदियों से भारत में दीयों की रोशनी और हल्की आतिशबाजी के साथ दीपोत्सव मनाने की परम्परा रही है। यह उत्सव प्रतीक है बुराई पर अच्छाई की विजय का, अंधकार पर प्रकाश का, लेकिन पिछले कुछ दशकों में इसका स्वरूप इस कदर बदल गया है कि अब यह 'आतिशबाजी का युद्ध' प्रतीत होता है। जिस उत्सव की आत्मा प्रकाश और शांति में निहित थी, वह अब शोर, धुआं और प्रदूषण का पर्याय बन गया है। बीते वर्षों में अत्यधिक विस्फोटक पटाखों की भरमार ने इस पवित्र पर्व की सादगी को निगल लिया है। यही पटाखे वायु प्रदूषण को भयावह स्तर तक पहुंचाने और पहले से बिगड़ती पर्यावरणीय स्थिति को बेहद विकराल बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

तेज रोशनी वाले और बारूद से लबालब पारंपरिक पटाखे पलभर में न केवल जान-माल का भारी नुकसान कर डालते हैं बल्कि वायु, ध्वनि और मिट्टी, तीनों को गहराई से प्रदूषित करते हैं। इन पटाखों में बेरियम, कॉपर, गंधक, सीसा जैसे रासायनिक तत्व होते हैं, जो फूटने के बाद 100 घंटे तक वातावरण में घुले रहते हैं। बेरियम रेडियोधर्मी और विषैला होता है, कॉपर के यौगिक कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं और गंधक श्वसन रोगों को जन्म देता है। पटाखों के धुएं में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीले गैसें होती हैं, जो फेफड़ों, दिल और आंखों पर सीधा प्रभाव डालती हैं। इनसे सिरदर्द, एलर्जी, खांसी, ब्रोंकाइटिस, न्यूमोनिया, अनिद्रा और यहां तक कि कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ध्वनि प्रदूषण का खतरा भी कम नहीं है। कई स्थानों पर पटाखों की आवाज 130 से 150 डेसीबल तक पहुंच जाती है, जो कानों के लिए खतरनाक है। इससे बहरेपन, तनाव, नींद की कमी और हृदय की धड़कनों में असामान्यता जैसे रोग तेजी से बढ़ते हैं।

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण के कारण वीर्य में शुक्राणुओं की संख्या में 40 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है, जिससे नपुंसकता का खतरा बढ़ रहा है। देश में हर दसवां व्यक्ति अस्थमा का शिकार है और प्रदूषित हवा गर्भ में पल रहे बच्चों तक के लिए खतरा बन चुकी है। ऐसे में, जब पहले से ही पराली, औद्योगिक धुआं, टूटी-फूटी सड़कों की धूल और निर्माण कार्यों के कारण हवा जहरीली हो चुकी हो, तब एक रात की अंधाधुंध आतिशबाजी इस संकट को और भयावह बना देती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण की गंभीरता और पर्यावरण संरक्षण की अनिवार्यता को देखते हुए हरित पटाखों के इस्तेमाल तथा उनकी बिक्री को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छ हवा और प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का सामूहिक दायित्व है। न्यायालय ने हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देते हुए उनकी गुणवत्ता, प्रमाणन और बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने पर जोर दिया है। अदालत ने अपने 29 अक्तूबर के आदेश में कुछ अतिरिक्त और कड़े प्रावधान लागू किए हैं, जिसके तहत दिल्ली-एनसीआर में केवल उन्हीं हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति दी गई है, जिन्हें वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान तथा पैट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन से वैध प्रमाणन प्राप्त है और जो संस्थान की अधिकृत सूची में शामिल हैं। प्रत्येक पैकेट पर उत्पाद-विशिष्ट क्यूआर कोड अनिवार्य किया गया है, जिसके माध्यम से निर्माता, पंजीकरण, लाइसेंस और परीक्षण प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता जांची जा सकेगी। बेरियम युक्त पटाखों तथा लड़ियों और पटाखों की मालाओं के निर्माण एवं बिक्री पर भी रोक लगाई गई है। अवैध पटाखों की बिक्री अथवा आदेशों के उल्लंघन पर लाइसेंस रद्द करने, पटाखे जब्त करने और दोषियों के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिकों की जिम्मेदार भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है।

हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के अनुसार केवल हरित पटाखों के उपयोग की ही अनुमति है लेकिन विडंबना यह है कि प्रतिबंधों और दिशा-निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए प्रदूषण फैलाने वाले पारंपरिक पटाखों की बिक्री बाजारों से लेकर गली-मोहल्लों तक धड़ल्ले से जारी रहती है। कानून और निर्णय केवल तभी सार्थक हैं, जब नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। भारत में पहले से ही वायु एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना सुनिश्चित करने में प्रशासन की उदासीनता अक्सर नजर आती है। पर्यावरणीय मामलों में केवल न्यायपालिका नहीं, जनता की भूमिका भी निर्णायक है। जब लोग ही संवेदनशील नहीं होंगे तो अदालतें भी पर्यावरण को अकेले नहीं बचा सकती। हमें यह समझना होगा कि दीवाली की असली सुंदरता पटाखों के धमाके में नहीं बल्कि दीयों की उजली लौ में है। यह वह पर्व है, जो हमारे मन, घर और समाज को प्रकाशमान करता है, न कि उन्हें धुएं से ढ़क देता है। दीवाली पर साफ-सफाई की परंपरा रही है पर अब वही दिन कचरे, बारूद और प्लास्टिक की परतों में बदल जाता है। यह कैसा उत्सव है, जो हमारी सांसों को छीन लेता है?

अब वक्त आ गया है कि हम अपनी परंपराओं को आधुनिक विवेक से जोड़ें। यदि हमें पटाखों का उपयोग करना है तो केवल हरित पटाखों का सीमित और नियंत्रित उपयोग करें। दीयों से घर-आंगन जगमगाएं, एक-एक पौधा लगाएं, बच्चों को सिखाएं कि असली रोशनी वही है, जो टिकाऊ हो, जो जीवन दे, न कि जहर घोले। ऑस्ट्रेलिया में दिसंबर में मनाए जाने वाले एक त्योहार पर लोग आतिशबाजी करते हैं लेकिन उसी दिन हर परिवार एक पौधा भी लगाता है।

यह एक छोटी-सी परंपरा है पर उसका पर्यावरणीय संदेश गहरा है। भारत भी ऐसी परंपराओं को अपना सकता है, जहां उत्सव और पर्यावरण दोनों का संतुलन बना रहे। आज जब दिल्ली और अन्य शहरों की हवा पहले से ही जहरीली हो चुकी है, हमें यह स्वीकार करना होगा कि एक रात का यह जश्न हमारे भविष्य की कीमत पर नहीं होना चाहिए। हमें अपने बच्चों को वह दीपावली देनी है, जो केवल आंखों को नहीं, दिलों को भी रोशनी दे। दीवाली दीयों की हो, धमाकों की नहीं क्योंकि असली रोशनी वही है, जो प्रकाश के संग करुणा और जिम्मेदारी का संदेश फैलाए।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यूपीआई लेनदेन में रिकॉर्ड वृद्धि, अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

अभिषेक कुमार सिंह

भारत में तिजोरियों और बही-खातों में दर्ज होने वाले धन का आवागमन अब मोबाइल स्क्रीन पर होने लगा है। दीपावली से पहले आई खबर के मुताबिक अक्टूबर 2026 में देश में यूपीआइ के जरिये 2,547 करोड़ लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 31.53 लाख करोड़ रुपये रहा। पहली बार एक दिन में औसत लेनदेन का मूल्य एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि धन का प्रवाह अब अधिक तेज, सस्ता और पारदर्शी हो गया है, लेकिन भारतीय परंपरा में लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। मान्यता है कि वे वहीं टिकती हैं, जहां व्यवस्था, शुचिता और भरोसा हो।

भारत के डिजिटल कायाकल्प का सबक यह है कि सरकार ने इसकी सड़क बनाई और उस पर सबको चलने का अवसर दिया। जनधन खाते, आधार और मोबाइल यानी 'जैम' त्रिमूर्ति इसकी नींव बनी। अगस्त 2014 में शुरू हुई प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए खातों की संख्या जुलाई 2026 तक 58.84 करोड़ से अधिक हो चुकी थी। इसी नींव पर यूपीआइ खड़ा हुआ। अगस्त 2016 में पहले महीने इसके जरिये केवल 90 हजार लेनदेन हुए थे। वित्त वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24 हजार करोड़ के पार पहुंच गई और लेनदेन का कुल मूल्य लगभग 314 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, दुनिया में होने वाले रियल-टाइम डिजिटल भुगतानों में लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा अकेले यूपीआइ का है, जबकि देश के कुल डिजिटल भुगतानों में इसकी हिस्सेदारी 84 प्रतिशत है। यूएई, फ्रांस और सिंगापुर समेत 11 देशों में अब यूपीआइ के जरिये भुगतान संभव है। डिजिलाकर और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) इसी ढांचे की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं, जिसे दुनिया 'इंडिया स्टैक' के नाम से जानती है।

डिजिटल भुगतान अब अमीरों का शौक नहीं, आम आदमी की आदत बन चुका है। वित्त वर्ष 2025-26 में दुकानदारों को किए गए यूपीआइ भुगतानों में 86 प्रतिशत लेनदेन 500 रुपये से कम के थे। चाय, सब्जी और आटो का किराया अब क्यूआर कोड से चुकाया जा रहा है। जिस ठेले वाले के पास पहले कोई लिखित हिसाब नहीं होता था, उसके पास अब कमाई का डिजिटल रिकार्ड है। छोटा व्यापारी अब अपने लेनदेन के इतिहास के आधार पर औपचारिक कर्ज पाने का दावा कर सकता है। देश में रोजाना औसतन 82 करोड़ से अधिक यूपीआइ लेनदेन हो रहे हैं, लेकिन उजाले के साथ साया भी बढ़ा है और सबसे गहरा साया साइबर ठगी का है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, वर्ष 2025 में ठगी की 21.77 लाख शिकायतें दर्ज हुईं और लोगों ने लगभग 19,813 करोड़ रुपये गंवाए। हालांकि वर्ष 2024 में हुए 22,849 करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में यह रकम घटी है। 2025 के कुल नुकसान का 77 प्रतिशत फर्जी निवेश योजनाओं और आठ प्रतिशत 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ा था। यानी समस्या तकनीक की कमजोरी से अधिक लालच, डर और जानकारी की कमी का फायदा उठाने की है। दूसरी चुनौती डिजिटल विभाजन की है। बुजुर्ग, कम पढ़े-लिखे लोग और कमजोर नेटवर्क वाले इलाकों के निवासी इस दौड़ में पीछे छूट सकते हैं। तीसरा प्रश्न डाटा की सुरक्षा और निजता का है। चौथा सवाल यूपीआइ के आर्थिक टिकाऊपन का है, क्योंकि मुफ्त सेवा उपलब्ध कराने में बैंकों और भुगतान कंपनियों को खर्च उठाना पड़ता है। इसी कारण एनपीसीआइ (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) ने दुकानों पर दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.40 प्रतिशत (अधिकतम 300 रुपये) शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे फिलहाल दीपावली के बाद तक टाल दिया गया है। संतुलन बिगड़ा तो व्यापारी फिर नकदी की ओर लौट सकते हैं।

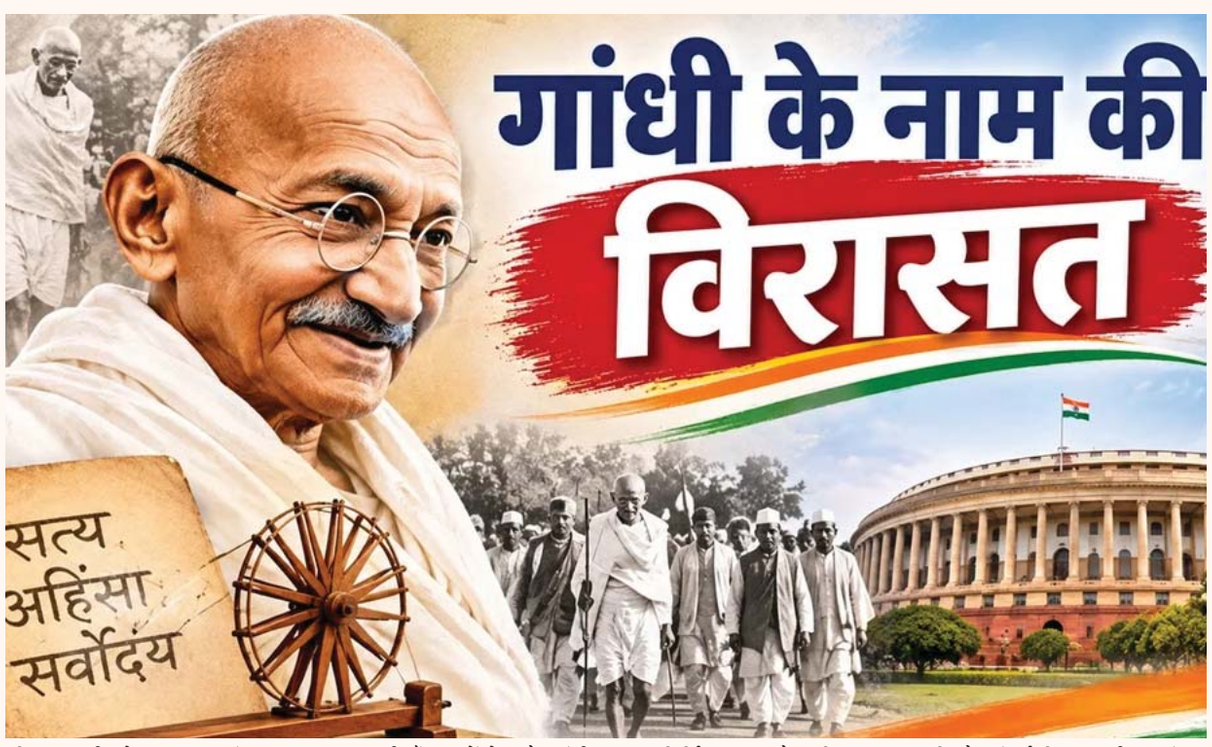
चुनौतियों का समाधान डिजिटल रफ्तार धीमी करने में नहीं, उसे सुरक्षित बनाने में है। इसके लिए चार मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, ठगी का पैसा रोकने की रफ्तार ठगों से तेज होनी चाहिए। हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत, बैंकों के बीच संदिग्ध खातों की साझा जानकारी और फर्जी सिम तथा 'म्यूल खातों' पर सख्त कार्रवाई इसकी कुंजी है।

सीमा पार सक्रिय गिरोहों पर अंकुश लगाने के लिए कूटनीतिक सहयोग भी जरूरी है। दूसरा, डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाना होगा। 'कोई पुलिस अधिकारी वीडियो काल पर गिरफ्तारी नहीं करता' और 'पैसा पाने के लिए पिन नहीं डालना पड़ता' जैसे सरल संदेश जन-जन तक पहुंचाने होंगे। तीसरा, डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा, ताकि नागरिकों का डाटा उनकी अनुमति के बिना कारोबार का साधन न बन सके।

(लेखक संस्था टेली परफार्मेंसेज से संबद्ध हैं)

विश्व-गुरु बनना है तो पहले गांधी की क्लास में हाजिरी लगाइए

जगमोहन सिंह राजपूत



मुद्दा यह है कि गांधीजी के नाम और उनकी विरासत का दावा करने वाले लोग उनके सिद्धांतों पर अमल क्यों नहीं करते। सामाजिक सद्भाव, अहिंसा, पर्यावरण और जनकल्याण की चुनौतियों के बीच क्या भारत खुद गांधी-दर्शन को अपनाकर दुनिया के सामने उदाहरण पेश कर सकता है?

पिछले कई महीनों से देश के युवा वर्ग को लेकर हर स्तर पर चर्चा हो रही है और यह सकारात्मकता से कोसों दूर है। शिक्षा जगत में अनुभवी प्राध्यापकों से लेकर प्राथमिक शाला के अध्यापकों तक सभी जानते और समझते हैं कि देश में ऐसे राजनेताओं की कमी नहीं है, जो राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के युवाओं को उनके मुख्य उद्देश्य और लक्ष्य से भटकाने में कोई संकोच नहीं करते हैं।

छात्रों के आंदोलनों के समय यह भी उजागर हो जाता है कि हमारे सुरक्षाकर्मी, विशेषकर पुलिस, अभी भी इतनी प्रशिक्षित तथा संवेदनशील नहीं हो पाई है कि वह यह समझ सके कि देश के हर नागरिक को, वह किसी भी आयु वर्ग का क्यों न हो, सम्मानपूर्वक सुरक्षा देना तथा उसकी देखभाल करना ही उनका मुख्य कर्तव्य है। मगर यह हर स्तर पर अधिकारी-भाव का गुमान रखने वाले नहीं कर सकते हैं। युवाओं के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार देश को स्वीकार्य नहीं है। गांधीजी द्वारा परिभाषित पंक्ति 'अंतिम छोर पर खड़े' व्यक्ति के परिवार से पुलिस सेवा में आने वाले भी उसी पंक्ति में खड़े अन्य लोगों को भी बख्शते नहीं हैं।

किसी भी ट्रक ड्राइवर या सड़क के किनारे ठेला लगाकर परिवार चलाने वाले से पूछने पर यह स्पष्ट हो जाएगा कि गांधी-तत्त्व को शासन व्यवस्था में ढूंढ़ पाना आज लगभग असंभव है। राजनेता तो उसे पहले से भुला चुके हैं। किसी भी गांव में ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो पुलिस के संबंध में सकारात्मक विचार शायद ही व्यक्त करें। कोई भी व्यक्ति किसी नागरिक के अधिकारों का हनन न करे, उसका अपमान न करे, यह देखना पुलिस का कर्तव्य है। मगर ये भी सही है कि पुलिस व्यवस्था की साख समाज में बहुत नीचे आ चुकी है।

महात्मा गांधी का नाम लेने वाले तो अनेक लोग मिल जाते हैं। आश्चर्य तब होता है, जब उनकी विरासत पर अपना अधिकार जताने वाले लोग व्यावहारिक जीवन में इनके सिद्धांतों से अनभिज्ञ दिखते हैं। भारत के विकास की जो अवधारणाएं इस समय चल रही हैं, उसमें देश के गांधी अध्ययन केंद्रों का कितना योगदान या भागीदारी है? क्या देश के समक्ष यह महत्त्वपूर्ण प्रश्न नहीं है? प्रगति और विकास की पश्चिम की अवधारणा की चूलें तेजी से हिलनी प्रारंभ हो गई हैं। गांधी ने इसे बहुत पहले समझ लिया था। जिन्होंने नहीं समझा था, सत्ता उनके हाथ में आई और उन लोगों ने गांधी-दर्शन को समझने का कोई प्रयास किया ही नहीं।

परिणामस्वरूप प्रदूषण, जल संकट, अविश्वास, हिंसा जैसी अनेकानेक चुनौतियां विश्व के समक्ष विकराल रूप में आ खड़ी हुई हैं। अब तो मनुष्य द्वारा निर्मित एआइ के जरिए मनुष्य जाति के संपूर्ण विनाश की आशंका भी व्यक्त की जा चुकी है। ऐसे में भारत के विश्व-गुरु-गौरव से परिचित करने के लिए उत्सुक नेताओं को क्या इससे जनित उत्तरदायित्व-बोध को स्वत: ही स्वीकार नहीं करना चाहिए? क्यों न वह विश्व के समक्ष वृद्धि, विकास, प्रगति और जन-कल्याण की वैकल्पिक 'सर्वजन हिताय' जैसी निष्कपट व्याख्या की व्यावहारिकता के उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत करे?

गांधी मानते थे- 'किसी भी देश की समेकित प्रगति का व्यावहारिक मूल आधार वहां के सभी निवासियों के पारस्परिक सद्भाव, एकजुटता और साथ-साथ मिलकर कार्य करने की एक इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है। अपनी हर संभव विविधता के लिए पहचाने जाने वाले भारत में, जहां विश्व के सभी जाने-पहचाने, पंथों-धर्मों के मानने वाले रहते हैं, पंथिक सद्भावना और सामाजिक सद्भाव अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।' अपेक्षा तो यही थी कि सामाजिक समरसता और पंथिक सद्भाव में भारत विश्व के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर सकेगा। अनेक संवैधानिक प्रावधानों के बाद भी भारत चिंताजनक स्थिति में अभी भी है। विविधता को लेकर अनेक समस्याएं उन देशों में भी उभरी हैं, जो एक पंथ, एक भाषा और एक राष्ट्रीयता के अभ्यस्त रहे। वे भारत की ओर देख रहे हैं। ज्ञान का सृजन, प्रकृति के रहस्यों की खोज, यानी नए ज्ञान का जनहित में सार्थक उपयोग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और संस्कृति के सबसे महत्त्वपूर्ण अंग थे, जिससे विश्व आकर्षित हुआ था।

आज के विश्व के समक्ष अनावश्यक संसाधन-संग्रहण, युद्ध की तैयारी के लिए शोध और नए-नए संहारक हथियार बढ़ाने पर स्वास्थ्य और शिक्षा से भी अधिक धन खर्च किया जा रहा है। इससे समाधान के स्थान पर पारस्परिक अविश्वास जैसी अनेक समस्याएं और जटिल हो गई हैं।

प्राचीन भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा मुख्य रूप से दर्शन, ज्ञान, विज्ञान, गणित, खगोल विद्या जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में योगदान से ही बढ़ी थी। भारतीयता के विकास के लिए जो परंपराएं डाली गई थीं, वे मानवीय तत्त्वों से परिपूर्ण थीं। गांधी उसे गहराई से जानते और समझते थे। उसे भारत फिर समझे और ऐसी रणनीतियां बनाए कि आगे के वर्षों में उसे समृद्ध किया जाए। गांधी के एक सूत्र या दर्शन को विश्व के समक्ष भारत को बार-बार प्रस्तुत करना होगा- प्रकृति के पास सभी की आवश्यकता पूर्ति के संसाधन हैं, लेकिन एक के भी लालच को पूरा करने के लिए उसके पास संसाधन नहीं हैं। क्या इसको भुलाकर भारत या विश्व का कोई भी देश प्रगति कर सकता है?

यह भारत का वैश्विक उत्तरदायित्व है कि वह हर प्रकार से विश्व के समक्ष गांधी के इस प्रकार के दर्शन को प्रस्तुत करे और उससे पहले यह देखे कि हम स्वयं उसका अनुसरण कर रहे हैं या नहीं। क्या भारत की संसद विशेष सत्र में कुछ दिन बैठकर देशहित में गांधी-तत्त्व की सम-सामयिक स्वीकार्यता पर चर्चा नहीं कर सकती है?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

महाराजा चौक बोरसी चौड़ीकरण सड़क की बदहाली पर फूटा जनता का गुस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महाराजा चौक से बोरसी चौक तक सड़क चौड़ीकरण का काम पिछले 7-8 महीनों से अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य में हो रही देरी और मार्ग में बनी अव्यवस्थाओं के कारण आम जनता भारी परेशानियों का सामना कर रही है।



खासकर धनोरा और हनोदा सहित आसपास के गांवों में आने-जाने वाले लोगों को मार्ग परिवर्तन के चलते प्रतिदिन 4 से 5 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

सड़क निर्माण अधूरा होने से क्षेत्र के व्यापारी और दुकानदार भी खासे परेशान हैं। मार्ग की बदहाली और आवागमन में हो रही दिक्कतों के कारण दुकानों तक ग्राहकों की पहुंच प्रभावित हो रही है, जिससे व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से रोजाना करीब 20 हजार लोग आवागमन करते हैं, ऐसे में सड़क निर्माण में देरी का असर बड़ी आबादी पर पड़ रहा है।

इसी दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में परेशान नागरिकों ने उनका वाहन रुकवाकर अपनी समस्याएं बताईं। लोगों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पिछले कई महीनों से सड़क की समस्या झेल रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं किया जा रहा है। आखिर कब तक जनता धैर्य की परीक्षा देती रहेगी?

जनता की परेशानी सुनने के बाद अरुण वोरा ने सड़क निर्माण में हो रही देरी पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सड़क विकास के नाम पर महीनों तक जनता को परेशानी में रखना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। प्रशासन और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है कि निर्माण कार्य समय-सीमा में पूरा कराए और तब तक आवागमन के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक सड़क का मामला नहीं है, बल्कि हजारों नागरिकों के रोजमर्रा के आवागमन, व्यापार, रोजगार और ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी से जुड़ा गंभीर विषय है। 7-8 महीने बीत जाने के बाद भी यदि जनता को राहत नहीं मिल रही है तो यह प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है।

अरुण वोरा ने प्रशासन से मांग की कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। जनता को अब आश्वासन नहीं, काम पूरा होने की तारीख और राहत चाहिए।

प्रमुख खबरें

वन नेशन, वन इलेक्शन पर छात्रों ने रखे विचार

भिलाई। साइंस कॉलेज, दुर्ग के राधाकृष्णन सभागार में वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट भाषण प्रतियोगिता हुई। आयोजन माय भारत दुर्ग के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी में विचार रखे। मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से मानव संसाधन और आर्थिक संसाधनों की बचत होगी तथा लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होंने संविधान में आवश्यक संशोधन की जरूरत भी बताई और पंचायत स्तर पर एक साथ प्रतिनिधि चयन का उदाहरण देते हुए विधानसभा व लोकसभा चुनाव भी साथ कराने की संभावना पर जोर दिया। मीडिया प्रभारी प्रशांत श्रीवास्तव और जिला युवा अधिकारी क्षितिज गुप्ता के अनुसार विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम के तहत देशभर में गतिविधियां चल रही हैं। प्रतियोगिता के लिए 184 पंजीकरण हुए, जिनमें से 72 प्रतिभागियों ने तीन मिनट में प्रस्तुतियां दीं। अध्यक्षता प्राचार्य अजय कुमार सिंह ने की। इस प्रतियोगिता में दुर्ग की वाणी देवांगन और दुष्यंत कुमार ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। भिलाई महिला महाविद्यालय की तानिया मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं।

भिलाई निगम : शर्मा को उद्यान विभाग की जिम्मेदारी दी गई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में प्रशासनिक फेरबदल के तहत संजय शर्मा को उद्यान विभाग में प्रभारी सहायक उद्यान अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इस संबंध में निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने आदेश जारी किया। संजय शर्मा अब तक निगम में स्टेनो टाइपिस्ट के पद पर कार्यरत थे और नई जिम्मेदारी के साथ वे विभागीय कार्यों का समन्वय करेंगे। इस नियुक्ति पर छत्तीसगढ़ ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज ने प्रसन्नता व्यक्त की है। समाज के युवा प्रकोष्ठ, दुर्ग जिला ने इसे समाज के लिए गौरव का विषय बताया। संगठन का कहना है कि निगम में महत्वपूर्ण दायित्व मिलना न केवल संजय शर्मा की कार्यक्षमता पर भरोसे का संकेत है, बल्कि समाज के युवाओं के लिए भी प्रेरणा है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में ऑनलाइन कर्मचारी फोटो अपलोड एवं सत्यापन प्रणाली का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने कर्मचारियों के आधिकारिक उपयोग हेतु फोटोग्राफजमा करने, उनके सत्यापन एवं अद्यतन की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से नई ऑनलाइन कर्मचारी फोटो अपलोड एवं सत्यापन प्रणाली प्रारंभ की है। इस प्रणाली के माध्यम से नए पहचान पत्र जारी करने सहित अन्य आधिकारिक कार्यों के लिए कर्मचारियों के फोटोग्राफका ऑनलाइन प्रबंधन किया जा सकेगा।



इस प्रणाली का संयुक्त रूप से उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम एवं कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) राजीव महेंद्रू, महाप्रबंधक प्रभारी (टीएसडी) ए. बी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक नीना जायसवाल एवं संदीप झा सहित मानव संसाधन, वित्त-सीपीएफ तथा सी एवं आईटी विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीण निगम ने इस पहल की सराहना करते हुए प्रणाली के विकास एवं क्रियान्वयन में संबंधित विभागों के त्वरित समन्वय तथा सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार ने भी टीम के समर्पित प्रयासों की सराहना की तथा प्रणाली को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने इस पहल के सफल क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कर्मचारी सेवाओं को अधिक प्रभावी, सरल एवं प्रौद्योगिकी आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम के दौरान सी एवं आईटी विभाग की शिवानी भड़े ने प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं एवं कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इस उपयोगकर्ता-अनुकूल प्रणाली के माध्यम से कर्मचारी अपना वर्तमान फोटोग्राफदेख सकेंगे तथा उसे यथावत रखने अथवा जेपीजी प्रारूप में नया फोटोग्राफ अपलोड करने का विकल्प चुन सकेंगे।

सुरक्षा की दृष्टि से फ टोग्राफ में बदलाव का अनुरोध किए जाने पर ही कर्मचारी के पंजीकृत मोबाइल नंबर एवं ई-मेल पते पर ओटीपी भेजा जाएगा। इसके बाद अपलोड किए गए नए फोटोग्राफ की संबंधित मानव संसाधन अधिकारी द्वारा समीक्षा की जाएगी। अधिकारी आवश्यक टिप्पणी के साथ फोटोग्राफ को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत कर सकेंगे। प्रत्येक लेन-देन का डिजिटल अभिलेख सुरक्षित रखा जाएगा तथा स्वीकृति मिलने के बाद नया फोटोग्राफ सिस्टम में स्वत: अपडेट हो जाएगा। वहीं, यदि कोई कर्मचारी अपना वर्तमान फोटोग्राफ यथावत रखना चाहता है, तो इसके लिए किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी। इस प्रकार, पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाया गया है।

इस प्रणाली का विकास सी एवं आईटी विभाग की टीम के सदस्यों इरफान सिद्दीकी, सुश्री शिवानी भड़े, आदित्य एवं जितेंद्र द्वारा महाप्रबंधक संदीप झा के नेतृत्व एवं महाप्रबंधक संजय द्विवेदी के मार्गदर्शन में किया गया। इसके विकास एवं क्रियान्वयन में मानव संसाधन विभाग की टीम ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

ऑनलाइन कर्मचारी फोटो अपलोड एवं सत्यापन प्रणाली का शुभारंभ भिलाई इस्पात संयंत्र की डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे कर्मचारी संबंधी सेवाओं को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन में पारदर्शिता, सुगमता एवं दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

शक्कर के लिए तरसे राशनकार्डधारी नंबर बदलने से बढ़ी मुसीबत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दीपावली जैसे बड़े त्योहार के ठीक पहले सरकारी राशन दुकानों की अव्यवस्था ने आम राशनकार्डधारियों की परेशानी बढ़ा दी है। कहीं शक्कर उपलब्ध नहीं है, तो कहीं राशनकार्ड के क्रमांक बदल जाने से हितग्राही अपने ही राशन के लिए भटकने को मजबूर हैं। इस अव्यवस्था पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि त्योहार के समय लोगों को राहत देने के बजाय सरकार ने उन्हें नई मुश्किलों में डाल दिया है।

अरुण वोरा ने बताया कि सहायक खाद्य अधिकारी से चर्चा के दौरान उन्हें जानकारी दी गई कि पिछले चार महीनों से राशन दुकानों में वितरण के लिए शक्कर उपलब्ध ही नहीं है। यह स्थिति बेहद गंभीर है। दीपावली हर घर में खुशियां और मिठास बांटने का अवसर है। ऐसे समय में जिन परिवारों की त्योहार की तैयारियां सार्वजनिक वितरण प्रणाली से मिलने वाले राशन पर निर्भर हैं, वे आखिर मिठाइयां कैसे बनाएंगे? सरकार को यह समझना चाहिए कि राशन में मिलने वाली शक्कर कई जरूरतमंद परिवारों के लिए त्योहार की मिठास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने राशनकार्ड के क्रमांक में बिना पूर्व सूचना किए गए बदलाव पर भी गंभीर आपत्ति जताई। वोरा ने बताया कि राशनकार्ड लेकर दुकान पहुंच रहे हितग्राहियों को मशीन में पुराना क्रमांक बदल जाने के कारण राशन प्राप्त करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब उन्हें आधार कार्ड लेकर दोबारा दुकान पहुंचने और नए क्रमांक की जानकारी लेने को कहा जा रहा है। ऐसे में आम नागरिक एक ही काम के लिए बार-बार राशन दुकानों के चक्कर काट रहे हैं।

वोरा ने सवाल किया कि राशनकार्ड के क्रमांक में बदलाव करना आवश्यक था तो इसकी पूर्व सूचना हितग्राहियों को क्यों नहीं दी गई? व्यवस्था में बदलाव की जिम्मेदारी सरकार और विभाग की है, फिर उसकी परेशानी आम जनता क्यों भुगते? त्योहार के समय लोगों को राशन के लिए भटकाना कहां तक उचित है? उन्होंने मांग की कि राशन दुकानों में शक्कर की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित की जाए और कार्डधारियों को नए क्रमांक की जानकारी देने के लिए सरल व्यवस्था बनाई जाए, ताकि किसी भी हितग्राही को उसके अधिकार के राशन से वंचित न रहना पड़े।

09 प्रमुख मार्गों में भारी एवं मध्यम वाहनों का दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक आवागमन में छूट निरस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के प्रस्ताव से सहमत होते हुए जनहित में सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था संचालित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु मोटर वाहन अधिनियम-1988 तथा छत्तीसगढ़ राज्य शसन द्वार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूर्व में जारी आदेश में संशोधन किया है। संशोधित आदेश के अनुसार दुर्ग भिलाई शहरी क्षेत्र अंतर्गत 09 प्रमुख सड़क मार्ग क्रमश: पुलगांव चौक से पोटिया रोड। पुलगांव चौक से गंजपारा की ओर। गुरूद्वारा चौक से बटालियन चौक। धमधा नाका रेलवे ओव्हर ब्रिज से ग्रीन चौक की ओर। पुष्पक नगर से कातुल बोर्ड रोड। ग्राम बघेरा से गंजपारा दुर्ग की ओर। बत्तीस बंगला (वाय शेप ब्रिज) से दुर्ग की ओर तथा धनोरा बोरसी की ओर से महाराजा चौक सड़क की ओर सड़क मार्ग में भारी एवं मध्यम मॉल वाहक वाहनों को दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक आवागमन में छूट को निरस्त कर दी गई है। कलेक्टर के आदेशानुसार उक्त समस्त 09 मार्गों पर दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक दी जाने वाली छूट को तत्काल प्रभाव से दिनांक 16 नवम्बर 2026 तक समाप्त (निरस्त) किया गया है। अब इन समस्त मार्गों पर सभी प्रकार के भारी एवं मध्यम मॉल वाहन वाहकों का आवामन प्रात: 06 बजे से रात्रि 11 बजे तक पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

अत्यावश्यक सेवाओं को इस प्रतिबंध से पूर्ववत छूट रहेगी जिसमें आपातकालीन वाहन । दवाई, डीजल/पेट्रोल और रसोई गैस सिलेण्डर परिवहन करने वाले वाहन। शासकीय उचित मूल्य दुकानों की खाद्यन्न सामग्री वितरण वाहन।

विधायक ललित ने संस्कृत गीतों के साथ केक काटकर मनाया जन्म दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त ललित चंद्राकर जी ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं संस्कृत के गीतों के साथ अपना जन्म दिवस मनाकर छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

एक ओर जहां लोग 'हैप्पी बर्थडे टू यू' गाकर अंग्रेजी परिवेश में अपना जन्मदिन मनाते हैं, वहीं दूसरी ओर इन सब से परे आध्यात्मिक विधि से ललित चंद्राकर का जन्म दिवस मनाया गया। पांच वैदिक विद्वान आचार्यों ने पुष्प अभिषेक व तिलक लगाकर विधायक जी का जन्म दिवस मनाया।

केक काटने के समय 'हैप्पी बर्थडे टू यू' ना बोलकर 卐शुभ जन्मदिनं तुभ्यम्卐 संस्कृत के गीतों से केक काटा गया। पूरा माहौल वैदिक मंत्रों और संस्कृत श्लोकों से गुंजायमान हो उठा।

संस्कृत के विद्वान प्रोफेसर आचार्य नीलेश शर्मा जी के नेतृत्व में वैदिक विद्वानों ने मिलकर इस ऐतिहासिक जन्मदिन को संपन्न कराया।



छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पहला कार्यक्रम है, जहां किसी राजनेता ने वैदिक विधि एवं मंत्रों के द्वारा केक काटा हो। इस अनूठी पहल ने भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा और सनातन परंपरा को नई पहचान दी है।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने कहा कि विधायक ललित चंद्राकर जी ने यह सिद्ध कर दिया कि विकास के साथ-साथ अपनी संस्कृति और संस्कारों को सहेजना ही सच्ची जनसेवा है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन के माध्यम से सुरक्षा पर हुआ व्यापक संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में 07 नवम्बर 2026 को सुरक्षा पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यकारी निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती तथा कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने संयंत्र के अधिकारियों, कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, ठेका श्रमिकों एवं सेफ्टी वॉरियर्स से सीधा संवाद किया।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बी के बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) सुश्री पुष्पा एम्ब्रोस, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा तथा महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन-एल एंड डी) श्री एस के श्रीवास्तव सहित संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



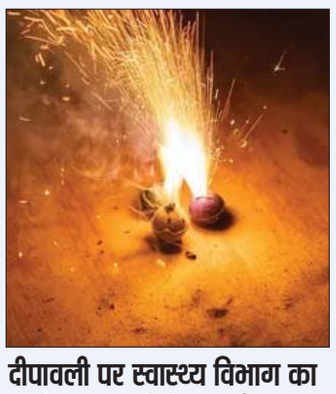
कार्यक्रम का उद्देश्य 'मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी' (एमएएमआर) की भावना को प्रोत्साहित करना, सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करना तथा 'लाइन ऑफ फायर' से जुड़े संभावित खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान कार्यस्थल पर मोबाइल फोन के उपयोग से बचने, सीमित स्थानों (कन्फाइंड स्पेस) में सुरक्षित तरीके से कार्य करने तथा एफआरटी हेलमेट के उपयोग को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। 'लाइन ऑफ फायर' के अंतर्गत अनियंत्रित ऊर्जा मुक्त होने से उत्पन्न जोखिमपूर्ण स्थितियों तथा उनसे बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही, कार्यस्थल पर संभावित खतरों की पहचान कर जोखिमों का आकलन करने और निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित इस्पात उत्पादन सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रत्येक कार्मिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना था कि सभी कार्मिक कार्यदिवस के अंत में सुरक्षित अपने घर लौटें।

मुख्य महाप्रबंधक पुष्पा एम्ब्रोस ने कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य पद्धतियों तथा सुरक्षा संबंधी प्रमुख पहलों पर प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करने, संभावित जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा निर्धारित प्रक्रियाओं का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं को रेखांकित किया गया।

लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन के दौरान कार्यकारी निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए के चक्रवर्ती तथा कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार ने अधिकारियों, कार्मिकों, पर्यवेक्षकों एवं सेफ्टी वॉरियर्स से सीधे संवाद करते हुए उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा से संबंधित अपने अनुभव एवं सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने विभिन्न कार्यक्षेत्रों में अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्य पद्धतियों के आदान-प्रदान तथा उन्हें व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है और सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कार्मिकों को किसी भी असुरक्षित कार्य अथवा स्थिति की सूचना देने तथा व्यवस्था में सुधार के लिए अपने सुझाव साझा करने हेतु भी प्रोत्साहित किया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



दीपावली पर स्वास्थ्य विभाग का सभी अस्पतालों में अलर्ट

बेमेतरा। दीपावली पर्व के दौरान संभावित दुर्घटनाओं, आगजनी, पटाखों से जलने, सड़क दुर्घटनाओं तथा लड़ाई-झगड़े में घायल होने वाले व्यक्तियों को तत्काल एवं समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बेमेतरा द्वारा सिविल सर्जन, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं संबंधित संस्था प्रभारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से सुनिश्चित की जाएं।

नवोदय विद्यालय चयन प्रवेश परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी

बालोद। पीएम श्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय दुधली में शैक्षणिक सत्र के तहत कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर को किया जाएगा। प्राचार्य पीएम श्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय दुधली ने बताया कि चयन परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थी अपना प्रवेश पत्र ऑनलाइन माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए परीक्षार्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट www.navodaya.gov.in अथवा पोर्टल लिंक https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs पर जाकर अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के दौरान यदि परीक्षार्थियों अथवा उनके पालकों को किसी भी प्रकार की तकनीकी कठिनाई या असुविधा का सामना करना पड़ता है, तो वे सीधे प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय दुधली से संपर्क कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। कार्यालयीन हेल्प डेस्क मोबाइल नंबर 9907175081 भी जारी किया गया है।

मिट्टी के दीयों में गढ़ते हैं खुशियां, बिजली के चाक ने मंगल प्रजापति के जीवन में भरा नया उजियारा

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। दीपावली का पर्व आते ही मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ जाती है। इन दीयों में केवल मिट्टी की सुगंध और रोशनी ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही कुम्हारों की पारंपरिक कला, मेहनत और उनकी आजीविका भी समाहित होती है। ऐसे ही पारंपरिक हुनर को संजोकर रखने वाले सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गंगोटी निवासी श्री मंगल प्रजापति आज आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहे हैं।

पेशे से कुम्हार मंगल प्रजापति मिट्टी से दीये, बर्तन और अन्य उपयोगी सामग्री तैयार कर अपनी पारंपरिक कला को आगे बढ़ा रहे हैं। पहले वे हाथ से चलने वाले चाक पर बर्तन बनाते थे। इस कार्य में काफी शारीरिक मेहनत लगती थी और उत्पादन भी सीमित रहता था। ऐसे में मेहनत के अनुरूप आमदनी नहीं हो पाती थी।



छत्तीसगढ़ शासन की योजना के अंतर्गत बिजली से चलने वाला चाक मिलने के बाद उनके पारंपरिक व्यवसाय को नई गति मिली। अब कम समय और कम मेहनत में अधिक बर्तनों का निर्माण कर पा रहे हैं। तकनीक के इस सहयोग ने उनके हुनर को विस्तार देने के साथ आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है। प्रजापति ने सूरजपुर जिला मुख्यालय में दुकान स्थापित की है, जहां वे मिट्टी के बर्तनों की बिक्री कर रहे हैं। वे बताते हैं कि व्यवसाय में वृद्धि से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। अब बच्चों की शिक्षा और परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रहे हैं।

मेरी बेटी-मेरा स्वाभिमान, बालिका शौचालय निर्माण में धमतरी पूरे छत्तीसगढ़ में अव्वल

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। विद्यालयों में बालिकाओं के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधायुक्त वातावरण विकसित करने की दिशा में धमतरी जिले नेउल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वीबी-जी रामजी योजनांतर्गत विद्यालयों में बालिका शौचालय निर्माण के मामले में धमतरी जिला छत्तीसगढ़ में अग्रणी है। जिले में अब तक आठ विद्यालयों में बालिका शौचालयों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इनमें धुमा, उमरदा, चुही, सिहावा, परसट्टी, डोमा, अंगारा और कुरूद विकासखंड की ग्राम पंचायत कोटगांव के विद्यालय शामिल हैं। इस योजनांतर्गत जिले में 335 बालिका शौचालय का लक्ष्य है।



कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक, स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय की उपलब्धता उनकी गरिमा, स्वास्थ्य और नियमित उपस्थिति से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। हमारा प्रयास है कि जिले के सभी विद्यालयों में बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। वीबी-जी रामजी योजना के माध्यम से निर्मित ये शौचालय बालिकाओं को सुविधाजनक और सम्मानजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में सार्थक पहल हैं। इस कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे भी जारी रखा जाएगा।

इस पहल की शुरुआत कुरूद विकासखंड की ग्राम पंचायत धुमा स्थित प्राथमिक शाला परिसर से हुई, जहां जिले का पहला बालिका शौचालय निर्मित किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा इसका लोकार्पण किया गया। इसी क्रम में कोटगांव के विद्यालय में आठवें बालिका शौचालय का निर्माण भी पूर्ण हो गया है।

विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक एवं स्वच्छ शौचालय की उपलब्धता उनकी नियमित उपस्थिति, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सहज शैक्षणिक वातावरण से सीधे जुड़ी है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इन शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि बालिकाओं को विद्यालय परिसर में अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक सुविधा मिल सके।

नवनिर्मित बालिका शौचालयों को आकर्षक गुलाबी रंग से सजाया गया है। भवन पर बड़े अक्षरों में 'मेरी बेटी—मेरा स्वाभिमान' का संदेश अंकित किया गया है। यह संदेश बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और गरिमा के प्रति संवेदनशीलता को अभिव्यक्त करता है। भवन पर 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण' भी अंकित है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में योजना की भूमिका को दर्शाता है।

वीबी-जी रामजी योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में कोटगांव विद्यालय के बालिका शौचालय निर्माण के लिए 4 लाख 30 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई। लगभग 4.50 मीटर म 3.60 मीटर क्षेत्र में निर्मित इस शौचालय में बालिकाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पृथक शौचालय कक्ष, पानी की व्यवस्था, हाथ धोने की सुविधा, धुलाई क्षेत्र, प्रकाश व्यवस्था, हवा एवं रोशनी के लिए उचित प्रबंध, सेनेटरी नैपकिन के सुरक्षित निपटान की सुविधा तथा रैम्प का निर्माण किया गया है।

इन सुविधाओं से बालिकाओं को स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं के लिए एक ही परिसर में जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, स्वच्छता की अच्छी आदतों को प्रोत्साहन मिलेगा और विद्यालय में उनके लिए अधिक सहज एवं अनुकूल वातावरण विकसित होगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जयंत नाहटा ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजनांतर्गत जिले की ग्राम पंचायतों में विद्यालयों की आवश्यकताओं के अनुरूप बालिका शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है। अब तक जिले के आठ विद्यालयों में निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इन शौचालयों में पानी, हाथ धोने, प्रकाश, वेंटिलेशन, सेनेटरी नैपकिन निपटान और रैम्प जैसी आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। हमारा प्रयास है कि निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण हों तथा बालिकाओं को इन सुविधाओं का नियमित लाभ मिले।

बेटियों के लिए सार्थक पहल

कोटगांव विद्यालय में निर्मित बालिका शौचालय इस बात का उदाहरण है कि जब विकास कार्यों को बच्चों की वास्तविक जरूरतों और सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया जाता है, तो उनका सकारात्मक प्रभाव सीधे उनके दैनिक जीवन पर दिखाई देता है। यह पहल केवल एक आधारभूत सुविधा का निर्माण नहीं, बल्कि बेटियों की निजता, स्वास्थ्य, स्वाभिमान और गरिमा को महत्व देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। जिले में इस तरह की सुविधाओं का विस्तार बालिकाओं के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सभी धान उपार्जन केन्द्रों में प्राथमिक उपचार पेटी उपलब्ध कराएंगे पीएम जनऔषधि केन्द्र

- शंकरदाह एवं भखारा केन्द्र से मिलेगी सस्ती दरों पर आवश्यक दवाइयां

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों के बीच धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों, हमालों, कर्मचारियों एवं अन्य कार्यरत श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की पहल की जा रही है।

इसी दिशा में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र शंकरदाह एवं भखारा द्वारा उपार्जन केन्द्रों में प्राथमिक उपचार पेटी तैयार करने के लिए आवश्यक दवाइयां एवं स्वास्थ्य संबंधी सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग की अपील की गई है।

उपार्जन केन्द्रों में धान विक्रय के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान पहुंचते हैं। वहीं हमाल, मजदूर, समिति कर्मचारी एवं अन्य संबंधित अमला भी खरीदी कार्य में



सक्रिय रहता है।

ऐसे में कार्य के दौरान मामूली चोट लगने, कटने, छिलने, जलने अथवा अचानक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके लिए प्रत्येक धान उपार्जन केन्द्र में निर्धारित मापदंडों के अनुरूप प्राथमिक उपचार पेटी की उपलब्धता उपयोगी होगी।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान किसानों, हमालों, श्रमिकों एवं उपार्जन केन्द्रों में कार्यरत कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है। सभी धान उपार्जन केन्द्रों में निर्धारित मापदंडों के अनुरूप प्राथमिक उपचार पेटी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल प्राथमिक उपचार मिल सके।

उन्होंने कहा कि धान खरीदी कार्य सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में संपन्न हो, इसके लिए संबंधित समितियां आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र शंकरदाह एवं भखारा में सामान्य दवाइयां बाजार की तुलना में लगभग 70 से 80 प्रतिशत कम कीमत पर उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। केन्द्रों द्वारा उपार्जन समितियों की मांग के अनुसार प्राथमिक उपचार पेटी के लिए आवश्यक दवाइयां एवं सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही प्रतिष्ठान अथवा कार्यालय तक पहुंच सेवा देने की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

इस संबंध में अधिक जानकारी एवं आवश्यक सामग्री के लिए मोबाइल नंबर 9098116074 पर संपर्क किया जा सकता है। इस पहल से धान खरीदी के दौरान उपार्जन केन्द्रों में त्वरित प्राथमिक उपचार की सुविधा विकसित करने तथा किसानों और कार्यरत श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूती देने में सहयोग मिलेगा।

खनिज संसाधनों की जानकारी होगी सार्वजनिक 21 दिनों तक पब्लिक डोमेन में रहेगी जानकारी

- इच्छुक व्यक्तियों से दावा-आपत्ति और सुझाव आमंत्रित
- जनभागीदारी एवं पारदर्शिता को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ समाचार

बालोद। जिले में खनिज संसाधनों से संबंधित जानकारी को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट 2026 का प्रारूप आम नागरिकों के अवलोकन के लिए उपलब्ध कराया गया है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा इस रिपोर्ट पर आम नागरिकों, संबंधित पक्षों एवं अन्य इच्छुक व्यक्तियों से दावा-आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।



खनिज संसाधनों से संबंधित जानकारी का संकलन

खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में स्वीकृत एवं संचालित खनन पट्टों तथा विभिन्न विभागों से प्राप्त संबंधित जानकारियों के आधार पर जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट-2026 तैयार की गई है। यह रिपोर्ट क्षेत्रीय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, सोनाखान भवन, नवा रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा तैयार की गई है। रिपोर्ट की दो अलग-अलग प्रारूप प्रतियां तैयार कराई गई हैं।

21 दिनों तक वेबसाइट पर देख सकेंगे रिपोर्ट

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट-2026 को जिले की आधिकारिक वेबसाइट एवं पब्लिक डोमेन में 21 दिनों के लिए प्रदर्शित किया जा रहा है। इस दौरान आम नागरिक रिपोर्ट का अवलोकन कर उसमें दर्ज जानकारी के संबंध में अपने दावे, आपत्तियां एवं आवश्यक सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।

26 नवंबर तक प्रस्तुत कर सकते हैं दावा-आपत्ति

इच्छुक व्यक्ति अपने लिखित आवेदन एवं सुझाव कार्यालयीन समय में 26 नवंबर 2026 तक जिला कार्यालय, खनिज शाखा, बालोद में जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जनभागीदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा

इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में शामिल जानकारी के संबंध में आम नागरिकों को अपनी बात रखने का अवसर प्रदान करना तथा प्राप्त सुझावों और आपत्तियों के माध्यम से रिपोर्ट की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाना है। जिला प्रशासन ने इच्छुक नागरिकों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर रिपोर्ट का अवलोकन कर अपने सुझाव एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अपील की है।

अग्निवीर अभ्यर्थियों के लिए 15 नवम्बर को धमतरी में महा-मैराथन

- 1600 मीटर दौड़, प्रथम स्थान पर 5001 रुपये सहित विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक नकद पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में शामिल होकर देशसेवा का सपना संजोने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा उनकी शारीरिक दक्षता और तैयारी को परखने के उद्देश्य से धमतरी में 15 नवंबर 2026, रविवार को अग्निवीर महा-मैराथन का आयोजन किया जाएगा। नि:शुल्क कमांडो प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिलिट्री एकेडमी, धमतरी के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 1600 मीटर की दौड़ होगी। प्रतियोगिता का आयोजन प्रात: 5 बजे से धमतरी के इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, इस प्रतियोगिता में केवल छत्तीसगढ़ राज्य के वे अग्निवीर अभ्यर्थी ही भाग ले सकेंगे, जो भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य अभ्यर्थियों में शारीरिक क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा



देना है, ताकि वे आगामी भर्ती प्रक्रिया की शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बेहतर तैयारी कर सकें।

नि:शुल्क कमांडो प्रशिक्षण केन्द्र एवं मिलिट्री एकेडमी, धमतरी के निदेशक तथा पूर्व सैनिक एवं आर्मी इंस्ट्रक्टर जीवन राम निषाद ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रवेश शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रात: 4 बजे से 5 बजे तक ही मान्य होगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने सभी पात्र अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार रखे गए हैं। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को 5001 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 3001 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1001 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए आधार कार्ड तथा अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा का प्रवेश पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। इसके बिना प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं, जिन अभ्यर्थियों का सेना में चिकित्सा परीक्षण होना है, उन्हें अपने साथ सुबह का नाश्ता एवं आवश्यक भोजन स्वयं लेकर आने की सलाह दी गई है।

आयोजकों ने कहा कि सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए इस तरह की प्रतियोगिताएं अपनी क्षमता का आकलन करने, समय प्रबंधन और शारीरिक सहनशक्ति विकसित करने का अच्छा अवसर प्रदान करती हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर इस आयोजन का लाभ उठाने की अपील की गई है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

जाह्नवी कपूर पर भड़कीं रेजिना कैसेंड्रा

सीन पसंद नहीं तो छोड़ दो, बाद में रोना क्यों?



तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले बर्ताव को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने भी अपनी राय रखी है। उन्होंने जाह्नवी कपूर और राधिका आप्टे के अपने अनुभव साझा करने का स्वागत किया, लेकिन उनके बात रखने के तरीके पर सवाल उठाए। रेजिना ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर चर्चा करते समय सावधानी बरतनी चाहिए ताकि बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच बेवजह विवाद न बढ़े।

रेजिना कैसेंड्रा ने कहा कि अगर कलाकार किसी सीन या अपने किरदार के चित्रण से असहज हैं, तो उन्हें खुलकर स्टैंड लेना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर कलाकार किसी सीन से असहमत हैं तो उन्हें बिना मन के काम करते रहने के लिए मजबूर महसूस नहीं करना चाहिए।

रेजिना ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आखिरकार हर फैसला कलाकार के अपने हाथ में होता है। रेजिना ने कहा कि कलाकारों को कभी ये नहीं कहना चाहिए कि उनके पास कोई रास्ता नहीं था।

रेजिना ने साफ कहा कि एक महिला होने के नाते वो हमेशा दूसरी महिलाओं का साथ देंगी। हालांकि, उनके मुताबिक जाह्नवी कपूर और राधिका आप्टे जैसी बड़ी अभिनेत्रियां यह नहीं कह सकतीं कि उनके पास कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं था। अगर उन्हें किसी बात से परेशानी थी तो वे फिल्म छोड़ सकती थीं।

जाह्नवी के मुताबिक, उन्हें कई बार पता नहीं होता था कि किसी सीन को कैसे फिल्माया जाएगा।

इस पर रेजिना बोलीं, साउथ में शूटिंग वाले दिन सुबह 6 बजे भी सीन दिए जाते हैं, लेकिन कलाकारों को कहानी और अपने किरदार की जानकारी पहले से होती है। कोई भी बिना तैयारी सेट पर नहीं पहुंचता। कई फिल्मों में तो शूटिंग शुरू होने से पहले ही पूरी स्क्रिप्ट दे दी जाती है, ताकि कलाकार अपने किरदार को अच्छी तरह समझ सकें।

रेजिना ने कहा कि वो जाह्नवी और राधिका के अपनी बात रखने का समर्थन करती हैं, लेकिन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को साउथ के बारे में सोच-समझकर बोलना चाहिए। इससे बॉलीवुड और साउथ के बीच विवाद बढ़ सकता है। उनके मुताबिक, इन मुद्दों पर बात करने और उन्हें सुलझाने के कई तरीके हैं।

इसके बाद उन्होंने केसरी चैप्टर 2 का अनुभव साझा किया। फिल्म में अक्षय कुमार की पत्नी का किरदार निभाने के बावजूद उन्हें प्रमोशन में शामिल नहीं किया गया था।

जाह्नवी के बयानों पर पलटवार करते हुए रेजिना ने कहा, धर्मा प्रोडक्शंस की केसरी चैप्टर 2 में मुख्य भूमिका निभाने के बावजूद मुझे प्रचार से पूरी तरह बाहर रखा गया। यहां तक कि मुझ पर फिल्माए गए गाने के रिलीज होने पर भी उन्हें न टैग किया गया, न कोई जानकारी दी गई। रेजिना ने सवाल उठाया, क्या दक्षिण भारत से होने की वजह से मेरे साथ ये बर्ताव हुआ? कुल मिलाकर बात का बतंगड़ बनाना मेरी आदत नहीं।

चांद पर पहुंचने का सपना देखेंगे गांव के चार युवा, कॉमेडी और रोमांच से भरपूर है फिल्म 'चंद्रयान',13 नवंबर को होगी रिलीज

'राजू वेडस रम्बाई' की सफलता के बाद निर्देशक और निर्माता वेणु उडुगुला एक और दिलचस्प फिल्म 'चंद्रयान' लेकर आ रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जिसमें हास्य, रोमांच और अनोखे प्रयोगों से भरी कहानी की झलक देखने को मिलती है।

श्रीनाथ चंद्रशेखर के निर्देशन में बनी यह फिल्म चार ऐसे युवाओं की कहानी है, जो विज्ञान और गणित की ज्यादा जानकारी नहीं होने के बावजूद चांद पर पहुंचने का सपना देखते हैं। फिल्म में शिवकुमार धीकोंडा, स्वप्ना प्रियदर्शिनी, रवि शिव तेजा, वामसीधर, लोकेश और बालगाम सत्यनारायण प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

फिल्म की कहानी मंदामरी के चार युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो चांद तक पहुंचने का असंभव सा लगने वाला सपना देखते हैं। विज्ञान और गणित की पर्याप्त जानकारी नहीं होने के बावजूद वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए रॉकेट बनाने की कोशिश में जुट जाते हैं। इसके लिए वे गूगल का सहारा लेते हैं और ईंधन के रूप में चावल की भूसी जैसी अजीबोगरीब चीजों का इस्तेमाल करते हैं। इतना ही नहीं, अपने प्रयोगों को परखने के लिए वे एक मुर्गी तक किराए पर ले आते हैं। युवाओं की ये अनोखी तरकीबें और उनके प्रयोग कहानी में हास्य पैदा करते हैं।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि गांव के लोगों को इन युवाओं के रॉकेट संबंधी प्रयोगों से किसी बड़ी मुसीबत की आशंका है, लेकिन चारों दोस्त अपने इरादे से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इसी बीच कहानी में एक हत्या के मामले का भी जिक्र सामने आता है। अभिनेता और कोरियोग्राफर बाबा भास्कर का किरदार भी ट्रेलर में दिखाई देता है, जो कहानी में नया मोड़ लेकर आता है। अब दर्शकों की उत्सुकता इस बात को लेकर है कि ये चारों युवा आखिरकार अपना रॉकेट बनाने में सफल हो पाते हैं या नहीं और क्या उनका चांद तक पहुंचने का सपना पूरा होता है।

'चंद्रयान' का निर्देशन श्रीनाथ चंद्रशेखर ने किया है। सिम्बा स्क्रीन स्टोरीज के बैनर तले प्रवीण मोलाका ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म का संगीत हर्षा प्रवीण ने तैयार किया है, जबकि छायांकन की जिम्मेदारी श्रीनिवास बी ने संभाली है। फिल्म का संपादन पुल्लाराव दसारी ने किया है।

हैदराबाद में आयोजित विशेष 'रॉकेट अनावरण' कार्यक्रम में निर्देशक संकल्प रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कोरियोग्राफर बाबा भास्कर सहित फिल्म की पूरी टीम मौजूद रही। हास्य और रोमांच के अनूठे मेल के साथ तैयार यह फिल्म 13 नवंबर को दर्शकों के सामने होगी।



विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की 'रणबाली' की ओटीटी रिलीज की तारीख की हुई घोषणा

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अभिनीत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनी एक्शन फिल्म 'रणबाली' अब डिजिटल मंच नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म 13 नवंबर, 2026 को नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। दर्शक इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषाओं में देख सकेंगे। इससे देशभर के दर्शकों को फिल्म घर बैठे देखने का अवसर मिलेगा।

राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बनी 'रणबाली' की कहानी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और वर्ष 1876 से 1878 के बीच पड़े मद्रास अकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में विजय देवरकोंडा ने मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि रश्मिका मंदाना जयम्मा के किरदार में नजर आई हैं। हॉलीवुड अभिनेता अर्नोल्ड वोस्लू ने फिल्म में ब्रिटिश खलनायक की भूमिका निभाई है। फिल्म का संगीत अजय-अतुल ने तैयार किया है और इसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने किया है।

यह फिल्म दशहरे के अवसर पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी। प्रदर्शन से पहले फिल्म को लेकर खास चर्चा नहीं थी और शुरुआती प्रतिक्रियाएं भी मिली-जुली रही थीं। हालांकि, त्योहारों की छुट्टियों के दौरान फिल्म ने कारोबार की रफ्तार पकड़ी। इस दौरान इसे रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' से भी मुकाबला करना पड़ा। इसके बावजूद 'रणबाली' ने भारतीय सिनेमाघरों में 67 करोड़ रुपये



से अधिक और विदेशों में 12 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इस तरह फिल्म का दुनियाभर में कुल कारोबार करीब 80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

खबरों के मुताबिक, 'रणबाली' का निर्माण लगभग 130 करोड़ रुपये के बजट में किया गया था। वहीं, फिल्म के दुनियाभर में सिनेमाघरों में प्रदर्शन के अधिकार करीब 62 करोड़ रुपये में बेचे गए थे। वितरकों को अपनी लागत निकालने के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये की कुल कमाई की जरूरत थी। इस लिहाज से सिनेमाघरों में फिल्म का प्रदर्शन अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सका। अब नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शन के साथ फिल्म को नए दर्शकों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। पांच भाषाओं में उपलब्धता से इसे दक्षिण भारत के साथ हिंदी भाषी क्षेत्रों में भी दर्शक मिलने की उम्मीद है।

कॉफी मेकर खरीदने से पहले इन पांच बातों का रखें ध्यान, होगा सही चयन

कॉफी मेकर एक ऐसा उपकरण है, जो आपके घर में कॉफी बनाने की प्रक्रिया को आसान और सुविधाजनक बना सकता है। हालांकि, सही कॉफी मेकर का चयन करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी बातें बताएंगे, जिनका ध्यान रखकर आप अपने लिए सही कॉफी मेकर चुन सकते हैं और घर पर स्वादिष्ट कॉफी का आनंद ले सकते हैं।

क्षमता पर दें ध्यान

कॉफी मेकर खरीदते समय उसकी क्षमता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

अगर आपके परिवार में कई लोग हैं या आप अक्सर मेहमानों का स्वागत करते हैं तो बड़े क्षमता वाले मॉडल का चयन करें, जो एक बार में अधिक मात्रा में कॉफी बना सके, वहीं अगर आपका परिवार छोटा है तो छोटे क्षमता वाला मॉडल भी पर्याप्त होगा।

इससे आपको बार-बार पानी भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी और कॉफी बनाने में आसानी होगी।

गर्म करने की प्रणाली का करें चयन

कॉफी मेकर के गर्म करने की प्रणाली का चयन करते समय यह देखना चाहिए कि वह कितनी तेजी से कॉफी को गर्म करता है।



कुछ मॉडल तेजी से गर्म होते हैं, जबकि कुछ को गर्म होने में अधिक समय लगता है। तेजी से गर्म होने वाले मॉडल अधिक सुविधाजनक होते हैं क्योंकि आपको लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ता।

इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि गर्म करने की प्रणाली बिजली की बचत करने वाली हो।

खुद-ब-खुद बंद होने वाले फीचर पर दें ध्यान

खुद-ब-खुद बंद होने वाला फीचर सुरक्षा और सुविधा दोनों ही प्रदान करता है।

जब आप कॉफी बना लेते हैं तो कुछ समय बाद यह फीचर अपने आप कॉफी मेकर को बंद कर देता है, जिससे ज्यादा गर्म होने की समस्या नहीं होती और बिजली की बचत भी होती है। यह फीचर खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है, जो अक्सर भूल जाते हैं कि उन्होंने कॉफी बनाई थी या नहीं।

फिल्टर प्रणाली देखें

कॉफी मेकर की फिल्टर प्रणाली भी अहमियत रखती है क्योंकि यह पानी की गुणवत्ता और स्वाद दोनों को प्रभावित करती है। कुछ मॉडल में दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले धातु के फिल्टर होते हैं, जिन्हें धोकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है, जबकि अन्य में कागज के फिल्टर आते हैं, जिन्हें हर बार बदलना पड़ता है।

दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले धातु के फिल्टर अधिक सुविधाजनक होते हैं क्योंकि इन्हें बार-बार खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती।

अतिरिक्त सुविधाएं भी देखें

कुछ कॉफी मेकर मॉडल्स अतिरिक्त सुविधाओं के साथ आते हैं जैसे कि समय सेट करने की सुविधा, प्रोग्राम करने योग्य सेटिंग्स और विभिन्न कप आकार विकल्प आदि।

ये सुविधाएं आपकी कॉफी बनाने की प्रक्रिया को और भी आसान और सुविधाजनक बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, समय सेट करने पर आप निर्धारित समय पर तैयार कॉफी का आनंद ले सकते हैं, जिससे आपका समय भी बचता है और आप अन्य कामों में भी लग सकते हैं।

दिवाली पर घर को सजाने के लिए आजमाएं ये 5 आसान और बेहतरीन तरीके

दिवाली के मौके पर घर को सजाने के लिए लोग कई तरह के सामान खरीदते हैं, लेकिन आप चाहें तो घर को कम कीमत में भी खूबसूरत बना सकते हैं। इसके लिए आपको बस थोड़ी रचनात्मकता दिखाने की जरूरत है और खुद से कुछ करने की आदत डालनी होगी। आइए आज हम आपको 5 ऐसे आसान और बेहतरीन तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपने घर को दिवाली पर आकर्षक बना सकते हैं।



दीयों से करें सजावट

दिवाली पर दीयों का इस्तेमाल करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में आप मिट्टी के छोटे-छोटे दीये खरीदकर उन्हें अपने घर के मुख्य द्वार, आंगन और छत पर रख सकते हैं।

इसके अतिरिक्त आप चाहें तो अपने घर के अलग-अलग हिस्सों में दीयों की कतारें भी लगा सकते हैं। मिट्टी के दीये सजावट के लिए एक पारंपरिक और सुंदर विकल्प हैं।

फूलों से सजाएं घर

दिवाली पर फूलों से घर को सजाना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप चाहें तो अपने घर के मुख्य द्वार पर फूलों की माला बनाकर लगा सकते हैं।

इसके लिए आपको बस ताजे फूलों की पंखुड़ियों को एक डोरी में पिरोना होगा। आप चाहें तो अपने घर के आंगन या छत पर भी फूलों से सजावट कर सकते हैं।

फूलों की मदद से घर को सजाने के कई तरीके हैं, जिन्हें आप आसानी से अपना सकते हैं।

रंगोली बनाएं

रंगोली भारतीय त्योहारों का अहम हिस्सा है, खासकर दिवाली के दौरान। अगर आप रंगोली के प्रति उत्साही हैं तो अपने घर के आंगन में रंगोली बनाकर उसे आकर्षक बनाएं। इसके लिए आप अलग-अलग आकारों और डिजाइनों का उपयोग कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त आप ऑनलाइन या किताबों से रंगोली के नए डिजाइनों को देखकर उन्हें आजमा सकते हैं। रंगोली बनाने के कई तरीके हैं जो आपके घर को सुंदर बना सकते हैं।

मोमबत्तियां जलाएं

दिवाली की रोशनी का त्योहार है और मोमबत्तियां इस रोशनी को बढ़ाने में मदद करती हैं।

इसके लिए आप अपने घर के अलग-अलग हिस्सों जैसे कि लिविंग रूम, सोने का कमरा और बालकनी में मोमबत्तियां जला सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि मोमबत्तियों को जलाकर किसी चीज के पास न रखें क्योंकि इससे आग लगने का खतरा बढ़ सकता है।

मोमबत्तियों से सजावट का तरीका बहुत आसान है और यह आपके घर को एक अलग ही चमक देता है।

दीवारों को सजाएं

अगर आप अपने घर की दीवारों को आकर्षक बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आप ऑनलाइन या किताबों से प्रेरणा लेकर खुद की दीवारों पर डिजाइन बना सकते हैं।

इसके अलावा आप अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए दीवार पर लटकाने वाले सजावटी सामान और फ्रेम्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो खुद की दीवारों पर डिजाइन बनाकर उन्हें खास बना सकते हैं।

खास-खबर

जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न, मेधावी छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम

जगदलपुर। जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रयास आवासीय विद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस ज्ञान महाकुंभ में स्कूली और महाविद्यालयीन स्तर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और उत्कृष्ट प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दो अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता के स्कूली वर्ग (कक्षा 9 वीं से 12 वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय जगदलपुर की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की होनहार छात्रा कु. उत्पला ने 94 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि इसी संस्था की कु. निहारिका 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं दरभा विकासखंड स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय छिन्दवाड़ा के छात्र संदीप नाग ने 66 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयीन तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के सीनियर वर्ग में धरमपुरा स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिंकी नेताम ने 297 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया।

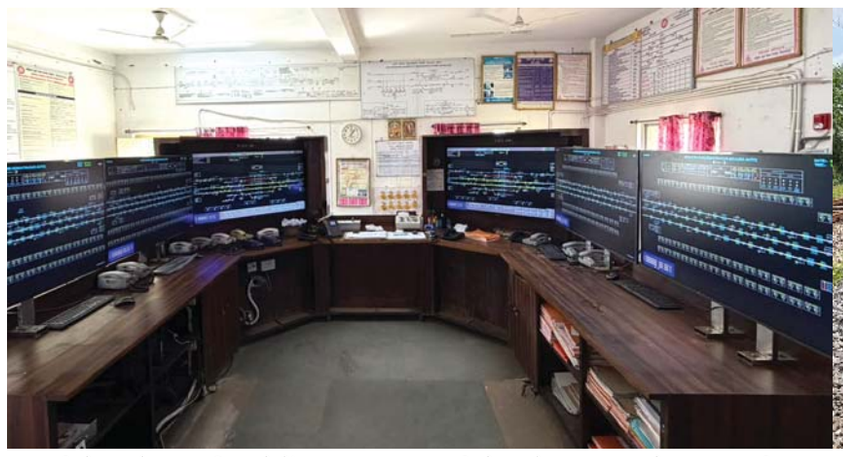
जिला रोजगार कार्यालय बालोद में 13 नवंबर को रोजगार मेले का आयोजन

बालोद। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बालोद के तत्वावधान में निजी क्षेत्र में रोजगार के सुअवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 नवंबर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संयुक्त जिला कार्यालय स्थित जिला रोजगार कार्यालय में आयोजित होगा। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण, बीएससी एग्रीकल्चर, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 03 नियोजकों द्वारा 220 तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्तियां की जाएंगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में सम्मिलित होने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल erojgar.cg.gov.in पर केवल ऑनलाइन माध्यम से ही आवेदन करना अनिवार्य होगा। मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा रोजगार पंजीयन कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा। अधिक जानकारी हेतु अभ्यर्थी आधिकारिक पोर्टल का अवलोकन कर सकते हैं अथवा जिला रोजगार कार्यालय बालोद के दूरभाष नंबर 07749-299509 पर संपर्क कर सकते हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बड़ी उपलब्धि : वर्ष 2026 में 110 रूट किलोमीटर रेलमार्ग पर स्वचालित सिग्नलिंग प्रारंभ

13 खंडों में 235 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य कार्य पूर्ण; नवंबर के पहले सप्ताह में सक्ती-झाराडीह-खरसिया एवं हर्री-वेंकटनगर-निगौरा खंड भी जुड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज





बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रेल परिचालन के आधुनिकीकरण की दिशा में वर्ष 2026 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल से नवंबर 2026 के बीच जोन के व्यस्त रेलमार्गों के 13 खंडों में कुल 110 रूट किलोमीटर रेलमार्ग पर स्वचालित सिग्नलिंग (ऑटोमैटिक सिग्नलिंग) प्रणाली सफलतापूर्वक प्रारंभ की गई है। यह कार्य 235 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य है। इसी क्रम में बिलासपुर मंडल के सक्ती-झाराडीह-खरसिया खंड में 02 नवंबर 2026 को तथा हर्री-वेंकटनगर-निगौरा खंड में 05 नवंबर 2026 को स्वचालित सिग्नलिंग का कार्य पूर्ण कर इसे प्रारंभ किया गया।

ये सभी खंड दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अत्यंत व्यस्त रेलमार्गों पर स्थित हैं, जिनमें हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग तथा बिलासपुर-कटनी रेलमार्ग के बिलासपुर-अनूपपुर खंड शामिल हैं। इन मार्गों पर यात्री गाड़ियों के साथ-साथ कोयला, इस्पात, सीमेंट एवं बिजली उद्योगों से जुड़ी बड़ी संख्या में मालगाड़ियां चलती हैं। स्वचालित सिग्नलिंग से इन खंडों में एक ही रेलमार्ग पर अधिक ट्रेनों का सुगम परिचालन संभव होगा, जिससे ट्रेनों के समयपालन में सुधार होगा और यात्रियों को बेहतर रेल सेवा मिलेगी।

स्वचालित सिग्नलिंग क्या है?

पारंपरिक व्यवस्था : पारंपरिक प्रणाली में दो स्टेशनों के बीच के पूरे रेलखंड में एक समय में केवल एक ही ट्रेन चलाई जाती है। अगली ट्रेन को तब तक स्टेशन पर प्रतीक्षा करनी होती है, जब तक पहली ट्रेन अगले स्टेशन तक न पहुंच जाए।

स्वचालित सिग्नलिंग : स्वचालित सिग्नलिंग में दो स्टेशनों के बीच के रेलखंड को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर हर हिस्से पर सिग्नल लगाए जाते हैं। ये सिग्नल ट्रेन के आगे बढ़ने के साथ अपने-आप बदलते हैं। इससे एक ही रेलखंड में एक के बाद एक कई ट्रेनें व्यवस्थित ढंग से चलाई जा सकती हैं और ट्रेनों को स्टेशनों पर अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती।

अधिक सुरक्षित क्यों : सिग्नल पूरी तरह आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली से संचालित होते हैं, जो पटरी पर ट्रेनों की स्थिति की लगातार जानकारी रखती है। आगे का मार्ग पूरी तरह खाली होने पर ही ट्रेन को आगे बढ़ने का संकेत मिलता है। मानवीय निर्भरता कम होने और सतत निगरानी के कारण यह प्रणाली अधिक विश्वसनीय एवं सुरक्षित है।

कुल मिलाकर : एक ही रेलमार्ग पर अधिक ट्रेनें, बेहतर समयपालन और यात्रा समय में बचत, वह भी नई रेल लाइन बिछाए बिना। बिलासपुर मंडल के अंतर्गत हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग के बिलासपुर-झारसुगुड़ा खंड पर स्थित सक्ती-झाराडीह-खरसिया खंड में 02 नवंबर 2026 को सायं 6:30 बजे स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली सफलतापूर्वक प्रारंभ की गई। यह खंड चार रेल लाइनों वाला है, जिसकी लंबाई 16 रूट किलोमीटर है और यह 32 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य है। हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग का यह हिस्सा जोन के सबसे व्यस्त रेलमार्गों में से एक है, जहां यात्री गाड़ियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में मालगाड़ियों का परिचालन होता है।

इस कार्य के अंतर्गत खंड में 32 नए स्वचालित सिग्नल लगाए गए हैं और पूरी व्यवस्था को नई आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। पटरी पर ट्रेनों की स्थिति की सटीक जानकारी के लिए मल्टी-सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर के 180 डिटेक्शन पॉइंट लगाए गए हैं, जो डुअल डिटेक्शन व्यवस्था पर आधारित हैं।

महिला अंडर-23 टी-20 टूर्नामेंट के लिए छत्तीसगढ़ की टीम घोषित

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा वुमेंस अंडर-23 टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ महिला टीम की घोषणा कर दी गई है। चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी गई है। यह प्रतियोगिता भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 14 नवंबर 2026 से त्रिवेंद्रम, केरल में आयोजित की जाएगी।

टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की टीम विभिन्न राज्यों की टीमों के विरुद्ध अपने खेल का प्रदर्शन करेगी। टीम की कमान कृति गुप्ता को सौंपी गई है, जबकि चंद चेलक और सेजल वर्मा को विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ महिला अंडर-23 टीम: आंशी अग्रवाल रायपुर, चंद चेलक (विकेटकीपर) - बिलासपुर, ख्याति साहू - रायपुर, किरण वर्मा - रायपुर, सेजल वर्मा (विकेटकीपर) - रायपुर, कुमुद साहू - राजनांदगांव, श्रेया श्रीवास - भिलाई, मिताली शर्मा - जांजगीर-चांपा, राधिका नेताम - बस्तर, साक्षी शुक्ला - जांजगीर, समीरा यादव - बस्तर, कृति गुप्ता (कप्तान) - भिलाई, शिविका अग्रवाल - राजनांदगांव, यति शर्मा - भिलाई, मानश्री मौर्य - रायपुर, योगिता लहरे - रायपुर।

छत्तीसगढ़ के मैचों का कार्यक्रम: छत्तीसगढ़ की टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 नवंबर को पुडुचेरी के खिलाफ करेगी। इसके बाद 15 नवंबर को उत्तराखंड, 17 नवंबर को विदर्भ, 19 नवंबर को हरियाणा और 21 नवंबर को चंडीगढ़ के विरुद्ध मुकाबला खेलेगी।

सभी मुकाबले त्रिवेंद्रम में आयोजित होंगे। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की युवा महिला खिलाड़ियों के पास अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने का शानदार अवसर होगा। टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता अभियान आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल द्वारा 01 नवम्बर से 07 नवम्बर 2026 तक आयोजित ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत आज अभियान के सातवें एवं अंतिम दिवस पर अपशिष्ट कम करें थीम पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों में कचरे की मात्रा कम करने, वस्तुओं के पुन: उपयोग को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण करने के प्रति रेल कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, वेंडरों एवं यात्रियों को जागरूक करना था। अभियान के दौरान रेलवे कार्यालयों एवं स्टेशनों पर डिजिटल डिस्प्ले, पोस्टर एवं सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेश प्रसारित किए गए। यात्रियों एवं कर्मचारियों को कचरा निर्धारित डस्टबिन में डालने, अनावश्यक वस्तुओं के उपयोग से बचने तथा पुन: उपयोग योग्य एवं पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन का निरीक्षण करते हुए यात्रियों से सीधे बातचीत की और उनके यात्रा अनुभवों को जाना। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने युवाओं, महिलाओं और बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की। उन्होंने यात्रियों से भारतीय रेलवे द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं और सेवाओं के बारे में उनकी राय पूछी। बातचीत के दौरान अधिकतर यात्रियों ने रेलवे की सुविधाओं में लगातार हो रहे सुधार और आधुनिक बदलावों के लिए रेल मंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया।

मंत्री जी ने युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनकी पीठ थपथपाई, वहीं बच्चों से हाथ मिलाकर अपना स्नेह जताया। इस सीधे संवाद का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि रेलवे की वर्तमान व्यवस्थाओं से आम यात्री कितना संतुष्ट हैं और धरातल पर सुविधाओं का प्रभाव कैसा है।

दौरे के दौरान मंत्री जी बिल्कुल आम नागरिक की तरह लोगों से घुलते-मिलते नजर आए। उन्होंने स्टेशन स्थित चाय के स्टाल पर रुककर चाय की चुस्की ली और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए यूपीआई के जरिए भुगतान किया।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ की टीम घोषित

श्रीकंचनपथ न्यूज

विकल्प तिवारी को मिली कप्तानी



रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ की टीम की घोषणा कर दी गई है। संघ ने चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। यह प्रतियोगिता भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 14 नवंबर 2026 से कोलकाता में आयोजित की जाएगी, जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम हिस्सा लेगी। टीम की कमान विकल्प तिवारी को सौंपी गई है, जबकि राहुल प्रधान और शशांक चंद्राकर को विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित संयोजन देखने को मिल रहा है। इसके अलावा तीन खिलाड़ियों को स्टैंडबाय के रूप में भी रखा गया है।

छत्तीसगढ़ टीम में शामिल खिलाड़ी: अजय मंडल - राजनांदगांव, अमनदीप खरे - बीएसपी, आयुष पांडे - रायपुर, भारत गोडवानी - रायपुर, देव आदित्य सिंह - बीएसपी, धर्मेंद्रसिंह जडेजा - प्रोफेशनल, जयंत यादव - प्रोफेशनल, प्रतीक यादव - रायपुर, राहुल प्रधान (विकेटकीपर) - सरगुजा, रुद्र प्रताप देहरी - बस्तर, संदीप वारियर - बीएसपी, संगीत सोनी - प्रोफेशनल, शशांक चंद्राकर (विकेटकीपर) - महासमुंद, शुभम अग्रवाल - रायगढ़, सौरभ मजूमदार - बस्तर, विकल्प तिवारी (कप्तान) - राजनांदगांव स्टैंडबाय खिलाड़ी: आयुष सिंह ठाकुर, मयंक यादव और विजय यादव।

छत्तीसगढ़ के मैचों का कार्यक्रम: सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ की टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 नवंबर को उत्तराखंड के विरुद्ध करेगी। इसके बाद टीम 16 नवंबर को हैदराबाद, 18 नवंबर को ओडिशा, 20 नवंबर को गुजरात, 22 नवंबर को मुंबई, 24 नवंबर को गोवा और 26 नवंबर को विदर्भ के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। छत्तीसगढ़ के सभी मुकाबले कोलकाता में आयोजित होंगे। इस प्रतिष्ठित घरेलू टी-20 प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम के सामने देश की मजबूत टीमों से मुकाबला करने की चुनौती होगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में अपनी मजबूत दावेदारी पेश करना होगा। क्रिकेट प्रेमियों को छत्तीसगढ़ की टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

धान खरीदी के लिए अब घर बैठे मिलेगा टोकन किसानों को लंबी कतारों से मिलेगी राहत

तुहर टोकन मोबाइल ऐप से किसान 24 घंटे प्राप्त कर सकेंगे टोकन



श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान विक्रय हेतु किसानों की सुविधा एवं खरीदी केंद्रों में लंबी कतारों से राहत दिलाने के उद्देश्य से खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा तुहर टोकन मोबाइल ऐप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस ऐप के माध्यम से किसान घर बैठे किसी भी समय ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे।

तुहर टोकन मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। ऐप का उपयोग करने के लिए किसानों को सर्वप्रथम ओटीपी आधारित पंजीयन करना होगा। इसके पश्चात किसान अपनी धान विक्रय की मात्रा दर्ज कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार टोकन प्राप्त कर सकेंगे।

धान खरीदी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए प्रत्येक समिति की निर्धारित दैनिक खरीदी क्षमता का 70 प्रतिशत टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत टोकन समिति स्तर से जारी किए जायेगा। ऑनलाइन टोकन की निर्धारित सीमा में 80 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसानों तथा 20 प्रतिशत बड़े किसानों के लिए आरक्षित रहेगा।

निर्धारित व्यवस्था के अनुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को तीन टोकन प्राप्त करने की पात्रता होगी। किसान पूर्व वर्ष की भांति धान की मात्रा दर्ज कर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही पात्रतानुसार दूसरे एवं तीसरे टोकन के माध्यम से शेष धान का विक्रय भी कर सकेंगे।

किसानों के लिए टोकन जारी करने की प्रक्रिया 10 नवंबर 2026 से प्रारंभ होगी। इसके अंतर्गत किसान 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की निर्धारित धान विक्रय तिथियों के लिए टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इस डिजिटल व्यवस्था से किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए बार-बार खरीदी केंद्रों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी तथा समय की बचत के साथ धान खरीदी प्रक्रिया अधिक सुगम एवं व्यवस्थित हो सकेगी।

बस्तर में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां तेज

जगदलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार बस्तर जिले में खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अभियान 15 नवम्बर से 15 जनवरी 2027 तक संचालित किया जाएगा। उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से अवैध धान लाकर जिले के सीमावर्ती उपार्जन केन्द्रों में विक्रय करने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पूरी तरह सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा सीमावर्ती जांच नाकों पर राजस्व, मण्डी, वन एवं होमगार्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों की 24 घंटे की तीन पालियों में ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया गया है। जारी निर्देशों के तहत नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2027 तक अन्य राज्यों से धान का आयात केवल संचालक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति की पूर्व अनुमति से ही संभव हो सकेगा। हालांकि 3300 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक लागत वाले सुपर फाइन धान के लिए संचालक की अनुमति की अनिवार्यता नहीं रहेगी, परंतु संबंधित आयातक को जिला खाद्य नियंत्रक को इसकी अग्रिम सूचना देना अनिवार्य होगा। सीमा पर आने-जाने वाले सभी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जाएगी और उनका बाकायदा पंजी संधारित कर प्रविष्टि दर्ज की जाएगी। यदि कोई भी वाहन बिना वैध दस्तावेजों के धान का परिवहन करते पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी प्रत्येक समय-सीमा की बैठक में की गई कार्रवाई का ब्योरा प्रस्तुत करेंगे। सीमावर्ती नाकों धनपुंजी, भेजापदर, नलपावण्ड, तारापुर, पोटियावण्ड, कोलावल और बदलावण्डकृपर त्रि-स्तरीय निगरानी तंत्र तैयार किया गया है।

प्रदर्शनी में बाल वैज्ञानिकों ने जीते कई पुरस्कार

कोरबा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या साडा में जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी हुई। आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी टी.पी. उपाध्याय के निर्देशन में किया गया। मुख्य अतिथि संस्था प्राचार्य रणधीर सिंह रहे। जिले के अलग-अलग स्कूलों के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक सोच, नवाचार, रचनात्मकता के साथ मॉडल पेश किए। विद्यार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, कृषि, गणित जैसे विषयों पर मॉडल बनाए। साइंस क्विज, पश्चिम भारत विज्ञान मेला, विज्ञान नाटिका, साइंस क्लब, शिक्षक टीएलएम में भी भागीदारी रही। जीवन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर विकास साहू सेजस गोपालपुर प्रथम रहे। गौतम कंवर हाई स्कूल स्याहीमुड़ी द्वितीय रहे।











खास खबर

वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत, 8 महीने बाद केस दर्ज

बिलासपुर। सकरी थाना क्षेत्र अंतर्गत हाफा ओवरब्रिज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत हो गई। रायपुर से मर्ग डायरी प्राप्त होने और मर्ग जांच पूरी होने के बाद सकरी पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। ग्राम पोड़ी निवासी विनोद कुमार कौशिक (50) 19 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे बिलासपुर से बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। हाफा ओवरब्रिज के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने से उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल और फिर गंभीर हालत में डीकेएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल रायपुर रेफर किया गया, जहां 20 फरवरी को उन्होंने दम तोड़ दिया।

डगनिया तालाब पार जुआ खेल रहे 11 आरोपी गिरफ्तार 42500 जब्त

हसौद। हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम हसौद में डगनिया तालाब पार सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे 11 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे और जुआ फड़ से 42 हजार 500 रुपए नकद जब्त किए। पुलिस ने छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस को 7 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डगनिया तालाब पार कुछ लोग जुआ खेल रहे थे। 11 लोगों को जुआ खेलते पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हसौद के अर्जुन साहू, रामेश्वर प्रसाद साहू, चानिक राम भार्गव, पंचराम साहू, मूलचंद साहू शामिल हैं। ओड़ेकेरा के सुमरित लाल देवांगन, फलेन्द्र कुमार चंद्र पकड़े गए। धमनी के नरसिंह मधुकर गिरफ्तार हुए। कुरदा के गोविंद राय पकड़े गए।

खराब झालर को लेकर दुकान में विवाद, घटिया सामान बेचने का आरोप

कोरबा। दीपावली के मद्देनजर बाजारों में सजावटी लाइट और झालरों की खरीदारी बढ़ गई है। इसी बीच घंटाघर स्थित संदीप इलेक्ट्रानिक्स में झालर की गुणवत्ता और वापसी को लेकर ग्राहक व दुकान संचालक के बीच विवाद का मामला सामने आया है। बुधवारी नेहरूनगर निवासी ग्राहक राकेश श्रीवास्तव का आरोप है कि दुकान से खरीदी गई झालर घर पहुंचने के बाद खराब हो गई। उसे बदलने या वापस करने के लिए दुकान पहुंचने पर संचालक ने इनकार कर दिया, जिससे विवाद की स्थिति बन गई। दुकान में खरीदारी के दौरान संचालक झालर जलाकर दिखाता है। इससे सामान ठीक होने का भरोसा होता है, लेकिन घर पहुंचकर इस्तेमाल करने पर झालर बंद हो गई।

जुआ फड़ों पर पुलिस की दबिश, 29 गिरफ्तार

रानीसागर-तारापुर में चल रहा था जुआ, 9 लाख कैश जब्त, ऑपरेशन अंकुश के तहत कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में जुआ फड़ों पर कार्रवाई के लिए गठित पुलिस की विशेष टीम ने दो अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर 29 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 9 लाख 500 रुपए कैश जब्त किया है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। दोनों कार्रवाई खरसिया और कोतरारोड थाना क्षेत्र में हुई है।





पुलिस के मुताबिक, टीम को खरसिया थाना क्षेत्र के रानीसागर और कोतरारोड थाना क्षेत्र के ग्राम तारापुर में जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद एसएसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने दोनों जगहों पर घेराबंदी कर दबिश दी।

पहली कार्रवाई रानीसागर स्थित पुरानी हेक्सा फैक्ट्री की बाउंड्रीवाल के भीतर की गई। यहां स्ट्रीट लाइट के नीचे खरसिया और घरघोड़ा क्षेत्र के जुआरी फड़ लगाकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से 19 जुआरियों को पकड़ा।

पुलिस ने जुआरियों के कब्जे और फड़ से कुल 6 लाख 7 हजार 400 रुपए कैश जब्त किया है। इस मामले में खरसिया थाने में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

कार्रवाई कोतरारोड थाना क्षेत्र के ग्राम तारापुर में हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एचपी गैस एजेंसी के पास दीवार किनारे मोमबत्ती की रोशनी में ताश के पत्तों से जुआ खेला जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी। इस दौरान कुछ जुआरी भाग निकले, जबकि 10 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

पुलिस ने फड़ से 2 लाख 93 हजार 100 रुपए कैश जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ ऑपरेशन अंकुश के तहत कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रानीसागर जुआ फड़ से गिरफ्तार आरोपी

कैलाश अग्रवाल (49), राधेन्द्र गुप्ता (44), दोनों निवासी घरघोड़ा; विकास अग्रवाल (49), राजकमल अग्रवाल (38), अभिषेक अग्रवाल (36), विनय अग्रवाल (36), अमोल अग्रवाल (40), संदीप अग्रवाल (41), आलोक अग्रवाल (45), संजय कुमार (38), अंकित कुमार (36), मुरली अग्रवाल (38), प्रतीक अग्रवाल (38), अमन कुमार (30), दिनेश अग्रवाल (53), शुभम अग्रवाल (25), सभी निवासी खरसिया; पारस उर्फ पिन्टु (36), हासित गुप्ता (48), नरेश कुमार (58)।

दिनेश यादव (44), चमनदीप सिंह (23), रौनक अग्रवाल (37), निवासी रायगढ़; राजीव लोचन बेहरा (40), आकाश गर्ग, निवासी मेन हॉस्पिटल के सामने, प्रिंस सलूजा (27), पंकज कुमार महथा (41), रजत गोयल (31), यश अग्रवाल (29), निवासी गजानंदपुरम, रायगढ़।

रायपुर में मिली मां-बेटे की लाश

4 दिन से बंद था कमरा, फर्श पर महिला और बिस्तर पर पड़ा था बेटे का शव, बदबू आने पर खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में किराए के मकान में रहने वाली मां और बेटे की लाश मिली है। महिला का शव फर्श पर पड़ा था, जबकि बेटे की लाश बिस्तर पर मिली। कमरे का दरवाजा पिछले तीन से चार दिनों से बंद था। आसपास के लोगों को जब कमरे से बदबू आने लगी, तब उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण उसे तोड़कर पुलिसकर्मी कमरे में घुसे। अंदर मां-बेटे के शव मिले। शुरुआती जांच में दोनों के आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस



ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के छोटा अशोक नगर की है।

4 साल से किराए के मकान में रह रहे थे

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान जयजी देशमुख (52) और उनके बेटे हंसमुख देशमुख (25) के रूप में हुई है। दोनों दिलीप मंडल के मकान में पिछले करीब चार साल से किराए पर रह रहे थे। मकान मालिक से पूछताछ में पता चला कि हंसमुख लंबे समय से बीमार था और उसका इलाज चल रहा था। पिछले तीन-चार दिनों से मां-बेटे कमरे से बाहर नहीं निकले थे। दरवाजा अंदर से बंद था। आसपास के लोगों को जब कमरे से तेज बदबू आने लगी तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के साथ फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने कमरे की जांच कर जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस आत्महत्या की आशंका सहित सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

दामाद ने की मामा ससुर की हत्या : टंगिया मारकर उतारा मौत के घाट, ग्रामीणों ने आरोपी को किया पुलिस के हवाले

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में दीपावली की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, एक दामाद ने शराब के नशे में अपने मामा ससुर पर टंगिया से हमला कर दिया। इस हमले में 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर खूंटे से बांध दिया और पुलिस के हवाले कर दिया।



शराब के नशे में पत्नी से कर रहा था विवाद

जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला महामाया थाना क्षेत्र के आडेझर गांव का है। आडेझर निवासी 60 वर्षीय रत्तीराम घटना के दौरान अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान आरोपी सुखराम नेताम शराब के नशे में अपनी पत्नी से विवाद कर रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने पास में सो रहे अपने मामा ससुर रत्तीराम पर टंगिया से हमला कर दिया। हमले में गंभीर चोट लगने से बुजुर्ग की मौत हो गई।

घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए और मौके पर पहुंच गए। इसके बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर खूंटे से बांध दिया और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही महामाया थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना देर रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दीपावली के दिन मौत का तांडव! यात्रियों से भरी बस और ट्रक में भीषण भिड़ंत, चालक की हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में दिपावली के दिन एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जहां यात्रियों से भरी बस और ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई। इस हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई और वहीं बस में सवार यात्री बाल-बाल बच गए।

यह हादसा एनएच-43 पर रविवार सुबह 5 बजे के आसपास हुआ। बताया जा रहा है कि रॉयल बस पटना से रायपुर जा रही थी। इसी दौरान कुनकुरी के सलियाटोली में ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक



के बरखच्चे उड़ गए। वहीं इस हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई और बस में सवार यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस रेस्क्यू में जुटी और आगे की कार्रवाई शुरु कर दी।

जगदलपुर के मोती ज्वेलर्स में 1.74 करोड़ के जेवर चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में दीपावली के दौरान ज्वेलरी दुकान में चोरी की वारदात हुई है। संजय मार्केट के पास स्थित मोती ज्वेलर्स में ग्राहक बनकर आई महिलाओं ने 1 किलो से ज्यादा सोने के जेवरों से भरा डिब्बा चोरी कर लिया। दुकान मालिक के मुताबिक, जेवरात की कीमत करीब 1 करोड़ 74 लाख रुपए से ज्यादा है।

बताया जा रहा है कि महिलाओं ने दुकानदार का ध्यान भटकाकर वारदात को अंजाम दिया। चोरी की पूरी घटना दुकान में



लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस महिलाओं की पहचान करने में जुट गई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, महिलाएं बच्चों के साथ ग्राहक बनकर मोती ज्वेलर्स पहुंचीं। उन्होंने आभूषण देखने के बहाने दुकानदार को व्यस्त रखा। इसी दौरान दुकानदार का ध्यान दूसरी ओर जाते ही एक महिला ने सोने के आभूषणों से भरा डिब्बा उठाकर अपने झोले में रख लिया। इसके बाद सभी महिलाएं वहां से निकल गईं।

दुकान संचालक के मुताबिक, चोरी हुए डिब्बे में करीब 1 किलो से ज्यादा के सोने के आभूषण थे। इनकी कीमत 1 करोड़ 74 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। पुलिस ने दुकान संचालक से आभूषणों के बिल मांगे हैं। बिल के आधार पर ही चोरी हुए सोने की मात्रा और कीमत का मिलान किया जाएगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपी महिलाएं कहां की रहने वाली हैं।

पांच साल के मासूम की हत्या, खेत में बोरी और कंबल से लिपटा मिला शव, संदेही रिश्तेदार को पुलिस ने हिरासत में लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के सन्ना थाना क्षेत्र में एक मासूम बच्चे की हत्या का मामला सामने आया है। ग्राम लोढ़ेनापाठ निवासी रामजीत राम ने 7 नवंबर 2026 को सन्ना थाने में अपने बेटे जितेंद्र राम के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बच्चा 5 नवंबर से लापता था। परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। इसी दौरान 7 नवंबर की सुबह ग्राम सन्ना में बहादुर नाम के व्यक्ति के खेत में बने गड्ढे में एक बच्चे का शव मिलने की सूचना मिली।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान लापता जितेंद्र राम के रूप में की। बच्चे का शव खेत में बने गड्ढे के अंदर बोरी, कंबल और गोदरी में लिपटा हुआ मिला। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और



शव का पंचनामा तैयार कराया। इसके बाद पोस्टमार्टम कराया गया। शुरुआती जांच में हत्या करीब दो दिन पुरानी होने की बात सामने आई है।

मामले में एक और बेहद गंभीर पहलू सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि हत्या के बाद बच्चे की आंखें और किडनी भी गायब हैं। इस आरोप ने मामले को और गंभीर बना दिया है। घटना की सूचना के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। हालांकि, शरीर से अंग गायब होने के दावों की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम और जांच रिपोर्ट के बाद ही इस बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मामले में सन्ना पुलिस ने अपराध क्रमांक 88/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 137(1)(ख) और 238(क) में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जानकारी जांच के आगे बढ़ने पर अलग से दी जाएगी।

दहेज के लिए विवाहिता को किया प्रताड़ित, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में दहेज प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग उससे कार खरीदने के लिए 2 लाख रुपए मांग रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना की जाती थी। मर्ग जांच में इसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने आरोपी पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना भूपदेवपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम जैमुड़ा निवासी नीता पटेल (34) ने 19 अक्टूबर की दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान विवाहिता की मौत से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। पता चला कि नीता की शादी करीब तीन साल पहले ग्राम जैमुड़ा निवासी बंधुराम पटेल के बेटे राकेश पटेल (34) से सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी।

शादी के एक साल बाद से करने लगे थे प्रताड़ित

शादी के करीब एक साल बाद से ही पति राकेश पटेल, सास शांति बाई पटेल (52) और ससुर बंधुराम पटेल (56) कम दहेज लाने और मोटरसाइकिल नहीं देने की बात कहकर नीता से विवाद करते थे। इस दौरान उसके साथ मारपीट भी की जाती थी।

करीब चार-पांच महीने पहले ससुराल पक्ष ने कार खरीदने के लिए 2 लाख रुपए की मांग की थी। इस बात को लेकर भी नीता के साथ विवाद और मारपीट की गई थी। लगातार हो रही दहेज प्रताड़ना से परेशान होकर उसने 19



अक्टूबर को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मायके पक्ष के बयान से हुआ प्रताड़ना का खुलासा

विवाहिता की मौत के बाद कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ने पंचनामा कार्रवाई कराई और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह फांसी लगना बताई गई। मर्ग जांच के दौरान मायके पक्ष के परिजनों के बयान लिए गए। उनके बयानों से पता चला कि पति, सास और ससुर दहेज की मांग को लेकर नीता को लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। इसी प्रताड़ना से परेशान होकर उसने आत्महत्या की।

जांच के बाद पुलिस ने बुधवार को पति, सास और ससुर के खिलाफ धारा 80, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर शनिवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

महिलाओं के खिलाफ अपराध पर होगी कड़ी कार्रवाई

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और दहेज प्रताड़ना के मामलों में पुलिस संवेदनशीलता और गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में मृतिका के पति, सास और ससुर को गिरफ्तार किया गया है।

गोदामों पर प्रशासन का छापा, 250 बोरी अवैध धान जब्त

कोरबा। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले बिचैलियों के अवैध भंडारण और धान खपाने की कोशिशों पर जिला प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में कटघोरा में तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर 250 बोरी मोटा धान जब्त किया गया। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर कटघोरा एसडीएम विपिन दुबे के मार्गदर्शन में उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। जांच के दौरान दिलीप अग्रवाल के गोदाम से 75 बोरी, यतीश जायसवाल के गोदाम सह मकान से 50 बोरी और पवन अग्रवाल के गोदाम से 125 बोरी मोटा धान बरामद किया गया। तीनों स्थानों से जब्त धान की कुल मात्रा 250 बोरी है।







खास खबर



मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दी दीपावली की शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोकभवन में राज्यपाल रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। श्री डेका ने भी मुख्यमंत्री को दीपावली की शुभकामना देते हुए प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

पेंशनधारियों को घर बैठे जीवन प्रमाण प्रस्तुत करने की सुविधा

सक्ती। पेंशनधारियों के जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने के उद्देश्य से डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक आधारित सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से पेंशनधारी बिना किसी परेशानी के अपने मोबाइल फोन अथवा कंप्यूटर के माध्यम से घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। जिले में अभियान के क्रियान्वयन हेतु सब-नोडल अधिकारी के रूप में नामांकित किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी पेंशनरों से इस डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की है।

बालोद में 13 नवंबर को रोजगार मेले का आयोजन

बालोद। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बालोद के तत्वावधान में निजी क्षेत्र में रोजगार के सुअवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 नवंबर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संयुक्त जिला कार्यालय स्थित जिला रोजगार कार्यालय में आयोजित होगा। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण, बीएससी एग्रीकल्चर, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 03 नियोजकों द्वारा 220 तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

छत पर सोलर सिस्टम, हाथ में मुख्यमंत्री की पाती, रोहित गुप्ता का कदम बना स्वच्छ ऊर्जा की प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। वार्ड क्रमांक 15 निवासी श्री गुप्ता ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित कराया है। उनके इस निर्णय की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सराहना की है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'विष्णु की पाती' के माध्यम से श्री गुप्ता और उनके परिवार को शुभकामनाएँ भेजीं। पत्र में उन्होंने लिखा कि परिवार की जरूरतों और खर्चों को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला जब राहत देने लगे, तो उसका संतोष खास होता है। बिजली खर्च में बचत से परिवार की अन्य जरूरतों के लिए भी गुंजाइश बनती है। इसके साथ ही हरित ऊर्जा अपनाते हुए पर्यावरण संरक्षण का कारण भी बन रहा है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू हुई सूर्य घर योजना घरों तक सौर ऊर्जा पहुँचाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इससे परिवार अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने के साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गुप्ता के अनुभव को दूसरों के लिए प्रेरणादायी बताया। सोलर प्लांट से मिल रहा लाभ उन परिचितों और पड़ोसियों के लिए उपयोगी जानकारी बन सकता है, जो अपने घरों में सौर ऊर्जा अपनाने पर विचार कर रहे हैं। किसी परिवार का सकारात्मक अनुभव लोगों का भरोसा बढ़ाता है और नई पहल के लिए प्रेरित करता है।

श्री रोहित गुप्ता का यह कदम दिखाता है कि स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने की शुरुआत अपने घर से की जा सकती है। छत पर लगा सोलर प्लांट अब उनके परिवार के लिए सुविधा और बचत का माध्यम है, साथ ही मोहल्ले और जिले में सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित भी कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में कोचिंग सेंटरों के लिए बनेगा नया कानून, मानसिक स्वास्थ्य पर भी फोकस

कोचिंग सेन्टरों में बढ़ते हादसों एवं युवाओं में बढ़ते अवसाद से निपटने लिया गया फैसला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में संचालित कोचिंग सेंटरों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने तथा विद्यार्थियों के हितों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार किया गया है।



प्रस्तावित कानून के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के संचालन में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों की शारीरिक एवं मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रस्तावित छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप से कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों को अनावश्यक शैक्षणिक दबाव, मनमानी फीस और अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद मिलेगी।

विधेयक के प्रारूप में 20 अथवा अधिक विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण अनिवार्य करने, पांच वर्ष की पंजीकरण वैधता, शुल्क संबंधी पारदर्शिता, पाठ्यक्रम छोड़ने पर शुल्क वापसी तथा छात्रावासों की सुरक्षा के प्रावधान प्रस्तावित हैं। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श व्यवस्था, उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निराकरण और चौबीसों घंटे हेल्पलाइन की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय प्राधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला समितियों के गठन का प्रावधान है।

कोचिंग सेन्टरों द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने पर दस हजार से पांच लाख रुपये तक की शास्ति तथा गंभीर मामलों में पंजीकरण निरस्त करने की व्यवस्था प्रस्तावित है। उच्च शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के लिए अभिभावकों, शिक्षाविदों, युवाओं, हितधारकों और आम नागरिकों से सात दिनों के भीतर सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं।

विधेयक का प्रारूप उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक नागरिक अपने सुझाव che-higheredu.cg@gov.in पर भेज सकेंगे।

स्वच्छता का राष्ट्रीय सम्मान : तीन शहरों की सफलता से पूरे प्रदेश को मिलेगी नई ऊर्जा : उप मुख्यमंत्री साव



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तीनों नगरीय निकायों की टीमों, जनप्रतिनिधियों, सफाई मित्रों और नागरिकों को बधाई दी है।

श्री साव ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्रदेश के नगरीय प्रशासन के लिए उत्साहवर्धक उपलब्धि है। यह सफलता बताती है कि स्थानीय निकायों की सक्रियता, सफाई मित्रों की मेहनत और नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि स्वच्छता किसी विशेष अभियान या सर्वेक्षण की अवधि तक सीमित न रहे, बल्कि शहरों की नियमित कार्यसंस्कृति और नागरिकों की दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बने। इसके लिए नगरीय निकायों को निरंतर बेहतर कार्य करने और जनभागीदारी को मजबूत बनाने की दिशा में प्रोत्साहित किया जा रहा है। श्री साव ने विश्वास व्यक्त किया कि रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को मिलने वाला राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भी स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहल करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चुना जाना छत्तीसगढ़ की शहरी स्वच्छता व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सम्मान जहां स्वच्छता के क्षेत्र में अब तक किए गए प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करेगा, वहीं आने वाले समय में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में योगदान देगा।

रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को स्वच्छता का राष्ट्रीय सम्मान

- 11 नवंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु प्रदान करेंगी सम्मान
- मुख्यमंत्री ने दी बधाई, कहा - बताया विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में बड़ा कदम
- उप मुख्यमंत्री साव ने कहा - यह सम्मान अन्य नगरीय निकायों के लिए बनेगा प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के तीन शहरों रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन किया गया है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आगामी 11 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में इन तीनों शहरों को पुरस्कृत करेंगी। यह उपलब्धि प्रदेश में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों, सफाई मित्रों के समर्पण और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति के हाथों छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का सम्मानित होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। यह सम्मान उन हजारों सफाई मित्रों के परिश्रम का सम्मान है, जो प्रतिदिन हमारे शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए अथक मेहनत करते हैं। साथ ही यह उन जागरूक नागरिकों की सहभागिता का भी सम्मान है, जिन्होंने स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझकर इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने देश में स्वच्छता के प्रति एक नई चेतना जागृत की है। आज स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संचालित एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। छत्तीसगढ़ भी इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी शहरों में स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था हो, नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिले तथा स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना और मजबूत हो।

स्वच्छ सर्वेक्षण के दसवें संस्करण में इन तीन शहरों को मिलने वाली राष्ट्रीय पहचान प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भी स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करेगी। यह उपलब्धि छोटे और बड़े सभी शहरों के लिए प्रेरणादायक है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, बेहतर प्रबंधन और जनसहयोग से स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान बनाई जा सकती है।

रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन इस बात का प्रमाण है कि स्वच्छता के प्रयासों को प्रभावी बनाने में प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ आम नागरिकों का सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छता कार्यों में लगे मैदानी अमले और सफाई मित्रों के निरंतर प्रयासों ने इन शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शहरों में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था, स्वच्छता के प्रति जागरूकता और नागरिकों की भागीदारी जैसे प्रयास स्वच्छ एवं स्वस्थ शहरी जीवन की मजबूत आधारशिला हैं। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सफलता इन प्रयासों को और व्यापक बनाने का अवसर प्रदान करेगी। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य तथा चयनित शहरों के प्रतिनिधिमंडलों में सफाई मित्रों, स्वच्छता निरीक्षकों, पर्यवेक्षकों, अभियंताओं और स्वच्छता मिशन के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिनिधियों को शामिल करने के लिए आमंत्रित किया है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक शहर से चार प्रतिनिधियों को मंच पर सम्मान ग्रहण करने का अवसर मिलेगा। सम्मान समारोह में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे।

स्वच्छता केवल पुरस्कार का विषय नहीं : मुख्यमंत्री साय



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार के लिए स्वच्छता केवल किसी प्रतियोगिता या सर्वेक्षण में बेहतर स्थान प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता से सीधे जुड़ा विषय है। स्वच्छ शहरों में नागरिकों को बेहतर वातावरण मिलता है और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में मजबूत आधार तैयार होता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की जिम्मेदारी केवल नगरीय निकायों या सफाई कर्मचारियों की नहीं, बल्कि हम सभी की है। जब नागरिक अपने घर, मोहल्ले, बाजार और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता के प्रति जागरूक होते हैं, तभी स्वच्छता के प्रयास स्थायी और प्रभावी बनते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा की उपलब्धि से पूरे छत्तीसगढ़ को नई प्रेरणा मिली है। अब हमारा प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश का प्रत्येक शहर स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। बड़े नगरों के साथ छोटे नगरीय निकायों में भी स्वच्छता व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ और विकसित राज्य बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस राष्ट्रीय उपलब्धि को हम अपने प्रयासों को और गति देने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। इससे सभी का मनोबल बढ़ेगा और अधिक ऊर्जा के साथ काम करेंगे।

केंद्रीय मंत्रालय ने पत्र भेजकर की सराहना



केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन की औपचारिक जानकारी दी है। मंत्रालय के सचिव सतेंद्र सिंह ने राज्य में संचालित स्वच्छता गतिविधियों और नागरिक सहभागिता की सराहना करते हुए इन शहरों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया है। मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि स्वच्छ भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में नागरिकों की सहभागिता और नगरीय निकायों के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन यह दर्शाता है कि स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर प्रयास और सामूहिक भागीदारी से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

'स्वच्छता की नई पहल - बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' की भावना को मिली मजबूती

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 की थीम 'स्वच्छता की नई पहल - बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' रखी गई है। यह थीम स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी, जनजागरूकता और नागरिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित करती है।

समारोह में सफाई मित्रों और मैदानी कर्मचारियों की होगी विशेष भागीदारी

नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मान समारोह की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी होगी कि स्वच्छता व्यवस्था को धरातल पर सफल बनाने वाले सफाई मित्रों और मैदानी कर्मचारियों की भागीदारी को विशेष महत्व दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950